RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2024-26
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

शिव आमंत्रण
अध्यात्म की नई उड़ान
सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

16
यदि हम सदा दूसरों को दुआएं देंगे तो वही वापिस...
02
ब्रह्मा बाबा की जीवनी पर बन रही फिल्म सृजन का ट्रेलर

वर्ष-11, अंक-02, हिन्दी (मासिक), फरवरी 2024, पृष्ठ 16, मूल्य: 12:50 रु.

ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की अभिनव पहल

राजऋषि आदर्श वाटिका से

किसानों की तकदीर बदलने की देशव्यापी मुहिम

- **देशभर के किसानों को 16 उद्योगों का दिया जा रहा है प्रशिक्षण**
- आबू रोड के किसानों का ग्रुप बनाकर औषधीय खेती की कार्ययोजना पर काम जारी
- **2024 में देशभर के बड़े-बड़े शहरों में राजऋषि आदर्श वाटिका स्थापित करने की योजना पर काम जारी**

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)

राजऋषि आदर्श वाटिका के माध्यम से किसानों की तकदीर बदलने की देशव्यापी मुहिम ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय से शुरू की गई है। इसके तहत आबू रोड में एक बीमा जमीन पर डेमो आदर्श वाटिका तैयार की गई है। इसमें विभिन्न तरह के उद्योगों जैसे- नर्सरी उद्योग, सब्जी उद्योग, मसाला उद्योग और फल उद्योग जैसे 16 तरह के उद्योगों का प्रशिक्षण किसानों को प्रैक्टिकल में दिया जा रहा है। महीने में दो बार सौ-सौ किसानों के ग्रुप को तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण तपोवन परिसर में बने किसान प्रशिक्षण केंद्र में दिया जा रहा है।

सबसे अहम बात वाटिका का मकसद देश में किसानों को जैविक-यौगिक खेती, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है, ताकि रासायनिक कीटनाशकों, खाद पर किसानों की निर्भरता कम हो सके। यह पूरा प्रोजेक्ट भारत सरकार के राजऋषि ग्राम प्रकल्प के नौ प्रकल्पों और सर्वांगीण ग्राम विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें किसानों की खुशहाली, आर्थिक उन्नति से लेकर ग्राम विकास की योजना शामिल है।

राजऋषि आदर्श वाटिका का उद्देश्य-

राजऋषि आदर्श वाटिका का मुख्य उद्देश्य है किसानों का संपूर्ण मानसिक, आर्थिक, सामाजिक विकास हो, इसके लिए किसानों को जैविक खेती पद्धति के साथ-साथ मेडिटेशन सिखाया जाता है। ताकि वह खुद को मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकें। किसानों को मल्टी लेयर खेती, ड्रिप इरीग्रेशन पद्धति का प्रशिक्षण प्रैक्टिकल में प्रदान करना है।

आयुष मंत्रालय आबू रोड के किसानों को देगा नि:शुल्क पौधे-

आदर्श वाटिका का निरीक्षण करने पहुंचे आयुष मंत्रालय नई दिल्ली के संयुक्त संचालक ने घोषणा की है कि मंत्रालय की ओर से आबू रोड के किसानों को औषधीय पौधों की खेती करने के लिए पौधे निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। किसानों का ग्रुप बनाकर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। उत्पादित औषधीय पौधों की मार्केटिंग और प्रोसेसिंग के लिए मंत्रालय की ओर से व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा राज्य के किसानों को निःशुल्क औषधीय पौधे दिए जाएंगे।

पूरे देश में स्थापित करेंगे ऐसे

आदर्श वाटिका मॉडल

ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजऋषि आदर्श वाटिका के मार्गदर्शक राजयोगी ब्रह्माकुमार राजू भाई ने बताया कि राजऋषि आदर्श वाटिका की वर्ष 2024 में देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थापना की जाएगी। ताकि किसानों को अपने राज्य में आसानी से प्रशिक्षण मिल सके। इसके लिए कार्ययोजना पर काम जारी है। सबसे बड़ी बात इस प्रशिक्षण में किसानों को संपूर्ण नशामुक्त, व्यसनमुक्त बनने का संकल्प कराया जाता है। साथ ही राजयोग मेडिटेशन सीखने के लिए प्रेरित किया जाता है।

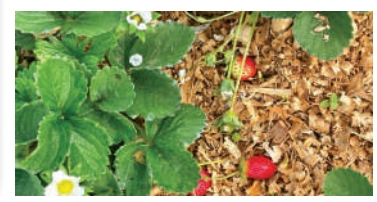

महीनों में दो बार दिया जाता है प्रशिक्षण

कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की ओर से राजऋषि आदर्श वाटिका का प्रशिक्षण देशभर से आए सौ किसानों के ग्रुप को महीनों में दो बार प्रशिक्षण दिया जाता है। इस तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में हाल ही में उप्र सरकार की ओर से तीन बैच में 300 से अधिक उन्नतशील किसानों को शाश्वत यौगिक-जैविक खेती, आदर्श वाटिका का प्रशिक्षण दिया गया है। यहां से प्रशिक्षण लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों किसान जैविक, प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। इसके अलावा यौगिक खेती का प्रशिक्षण जारी है।

राजस्थान में जिला स्तर पर किसानों को देंगे ट्रेनिंग

वाटिका को प्रैक्टिकल में स्वरुप प्रदान करने वाले टोंक राजस्थान के बीके प्रहलाद भाई और संयोजक बीके चंद्रेश भाई ने बताया कि वर्ष 2024 में राजस्थान के प्रत्येक जिले में किसानों को राजऋषि आदर्श वाटिका के तहत किसान सम्मेलन आयोजित कर सभी 16 उद्योगों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान किसान नहीं कर सकते हैं नशा

सबसे बड़ी बात तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान किसानों को संपूर्ण रुप से नशामुक्त करने का संकल्प कराया जाता है। साथ ही उन्हें तीन दिन तक किसी भी तरह के नशे की मनाही होती है।

वाटिका में इन उद्योगों का दिया जा रहा है प्रशिक्षण

1. **नर्सरी उद्योग:** इसके तहत यौगिक पौधशाला का निर्माण किया गया है। इस पौध शाला में जैविक-यौगिक तरीके से किसानों को पौध तैयार करने की विधि और तकनीक सिखाई जाती है। इसके लिए बाकायदा कई किस्म के पौधे वाटिका में डेमो के तौर पर लगाए गए हैं।
2. **खाद्य अन्न उद्योग:** अनाज जैसे- गेहूं, जौ, बाजरा, मक्का आदि की फसल लगाई गई है। प्रत्येक फसल की अलग-अलग वैराइटी मौजूद हैं। डेमो के माध्यम से किसानों को बीज की किस्मों और उनके फायदे के बारे में बताया जाता है। इसके अलावा इनसे उद्योग के माध्यम से कैसे अपनी आय को बढ़ा सकते हैं यह भी प्रशिक्षण दिया जाता है।
3. **खाद्य तिलहन उद्योग:** इसमें मसूर, अलसी, सरसों की फसल लगाई गई है। भविष्य में तेल प्लांट लगाने की योजना पर काम जारी है। जिससे किसानों को मौके पर ही तेल निकालने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
4. **सब्जी उद्योग:** ब्रोकली, टमाटर, मिर्च, बैंगन, पालक, धनिया, शलजम आदि सब्जियों को एक-एक क्यारी में डेमो के तौर पर लगाया गया है।
5. **औषधीय फसल उद्योग:** एलोवेरा, कलौंजी, सतावरी, इलाइची, अश्वगंधा को लगाया गया है। इनके माध्यम से किसान भाई कैसे मुनाफा कमा सकते हैं यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी तरह फल उद्योग, फूल उद्योग, दुग्ध डेयरी उद्योग, कुटीर उद्योग, मिट्टी बर्तन उद्योग, मधुमक्खी पालन उद्योग, कृषि औजार निर्माण उद्योग जैसे 16 तरह के उद्योगों का प्रशिक्षण किसानों को दिया जा रहा है।

शांतिवन में निकाली नशामुक्ति संकल्प यात्रा **मेडिकल विंग की ओर से चलाया जा रहा है देशव्यापी अभियान**

पटेल समाज के तीन हजार लोगों ने लिया समाज में नशामुक्ति का संकल्प

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)।

गुजरात से आए पटेल समाज के तीन हजार से अधिक लोगों ने सामूहिक रूप से समाज में नशामुक्ति का संकल्प लिया है। इसे लेकर समाजजन ने ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन परिसर में संकल्प यात्रा निकाल कर लोगों को नशे से दूर करने का संकल्प किया। यात्रा में बुजुर्गों से लेकर युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान सभी ने नारे लगाए कि हम संकल्प लेते हैं नशे की बुराई की समाज से उखाड़ फेकेंगे। न ही परिवार के किसी सदस्य को नशा करने देंगे न ही समाज में लोगों को नशा करने देंगे। जो भी नशा करते मिलेगा उसे

जागरूक करेंगे। नशे के हानिकारक प्रभाव बताएंगे। इस दौरान सभी हाथों में तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए चल रहे थे। इस दौरान सभी ने नारे लगाए कि- तंबाकू गुटखा, दिल को झटका। नशेवाला जीवन, खतरनाक जीवन। तंबाकू का नशा, अनमोल जीवन की दुर्दशा। सोचो फिर सोचो, नशा करने से पहले सोचो।

मेडिकल विंग के कार्यकारी सचिव डॉ. बीके बनारसी लाल ने कहा कि मेडिकल विंग और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता मंत्रालय द्वारा देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इसमें अभियान में पटेल समाज के लोगों के जुड़ने से और गति मिलेगी। परमात्मा के घर से सभी संकल्प लेकर जा रहे हैं तो निश्चित रूप से इस अभियान को गति मिलेगी। लोगों नशे को लेकर जागरूक होंगे। शुभारंभ पर सभी ने एक स्वर में कहा कि नशे की इस सामाजिक बुराई को हम जड़ से उखाड़ फेकेंगे। नशा जीवन का नाश करता है।

पुणे की कॉप यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों का टूर पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर शांतिवन पहुंचा

मेडिटेशन से लक्ष्य पर फोकस करने में मिलती है मदद: डॉ. मिड्ढा

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)

विद्यार्थी जीवन में सबसे जरूरी है एकाग्रता। जब हम एकाग्रता के साथ अपने लक्ष्य को पाने के लिए प्रयास करते हैं तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। मेडिटेशन से हमारे ब्रेन की कार्यक्षमता बढ़ती है। लक्ष्य पर फोकस कर पाते हैं। आप सभी भविष्य में जिस कार्यक्षेत्र में रहेंगे लेकिन जीवन में सबसे अहम है मानसिक शांति, सुकून वह मेडिटेशन से मिलता है। यह बात ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कही। वह ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मनमोहिनीवन परिसर स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में पुणे की कॉप यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक भ्रमण पर पहुंचे विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन पर हमारे आगे के जीवन का आधार होता है। इस समय को अपनी स्व उन्नति में पूरी तरह समर्पित कर दें।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका डॉ. सविता बहन ने कहा कि अपनी जिंदगी में राजयोग मेडिटेशन को शामिल करने से आपकी पढ़ाई आसान हो जाएगी। राजयोग से हमारा मन सशक्त होता है। सशक्त मन का व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है। भौतिक शिक्षा के साथ हमें मन को समझने की शिक्षा, अध्यात्म और योग की शिक्षा लेना जरूरी है।

शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके शिविका बहन ने कहा कि आप सभी पांच दिन तक यहां के आध्यात्मिक वातावरण का पूरी तरह से लाभ लें। यहां से ज्यादा से ज्यादा सीखकर जाएं जो आपको पूरी जिंदगी मार्गदर्शन करेगा। आध्यात्मिकता व्यक्तित्व को कुंदन सा निखारकर दीपक की तरह प्रकाशित कर देती है। सबसे पहले एक अच्छा, नेक इंसान जरूर बनें। इस मौके पर पुणे से आए विद्यार्थी, शिक्षकगण और कॉप यूनिवर्सिटी का स्टाफ मौजूद रहा।

स्वयं के प्रबंधन और सकारात्मक चिंतन से जीवन बनेगा तनावमुक्त : आशा दीदी

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद

ब्रह्माकुमारीज सेक्टर 46, फरीदाबाद द्वारा सकारात्मक सोच से तनाव मुक्त जीवन व नशा मुक्त भारत अभियान की लॉन्चिंग कार्यक्रम डिलाइट फॉर एवर बैंक्विट हॉल नियर अंखीर चौक में आयोजित किया गया। ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी ने कहा कि तनाव मुक्त जीवन के लिए स्वयं का प्रबंधन करना होगा, सकारात्मक चिंतन करना होगा। राजयोग मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करना होगा। दिल्ली से आए बीके पीयूष भाई ने कहा कि नशा जीवन को खराब करता है। मन को शक्तिशाली बनाकर नशीले पदार्थों से मुक्त हो सकते है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने ब्रह्माकुमारी बहनों को कलश देकर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जीवन नियम, संयम, धैर्यता द्वारा ही हम तनाव मुक्त रह सकते हैं। बीके बहनों ने मेहमानों का स्वागत तिलक, बैज व फूलों से किया। बीके हरीश दीदी सेक्टर 19 ने स्वागत किया।

बीके मधु बहन (इंचार्ज सेक्टर-46) ने राजयोग का अभ्यास कराया और कहा कि रोज 30 मिनट सभी को राजयोग का अभ्यास जरूर करना चाहिए। एडवोकेट आशारानी ने कहा कि मैंने राजयोग से अपने जीवन में काफी बदलाव पाया और आग्रह किया ब्रह्माकुमारी सेंटर पर जाकर राजयोग मेडिटेशन सीखें। आध्यात्मिक स्थान माउंट आबू भी एक बार अवश्य जाएं। संचालन बीके ज्योति भाई बल्लभगढ़ ने मंच संचालन किया। एनआईटी फरीदाबाद से आईं बीके ऊषा दीदी ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। तिगांव के विधायक राजेश नागर एवं जिला भाजपा अध्यक्ष राजकुमार बोहरा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ब्रह्मा बाबा के जीवनी पर बन रही फिल्म का ट्रेलर रिलीज, जल्दी होगी रिलीज

ब्रह्मा बाबा की जीवनी पर बन रही फिल्म सृजन का ट्रेलर रिलीज

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 55वीं पुण्य तिथि (विश्व बन्धुत्व दिवस) पर देशभर से आए 20 हजार से ज्यादा लोगों की मौजूदगी में विशाल डायमंड हॉल में ब्रह्मा बाबा की जीवनी पर बन रही फिल्म सृजन का ट्रेलर दिखाया गया। साथ ही फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया। इस दौरान ब्रह्माकुमारीज संस्थान की प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव बीके निर्वैर भाई, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी, कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय ने इसे रिलीज किया।

फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने फिल्म निदेशक तथा ओ माई गॉड एवं 102 नॉट आउट फिल्म के निदेशक

उमेश शुक्ला के निर्देशन में बन रही फिल्म में ब्रह्मा बाबा का किरदार धर्मेन्द्र गोहिल और अनंग देसाई ने निभाया है। इसमें म्यूजिक अमेरिका के सुप्रसिद्ध ग्रेमी अवार्ड से विभूषित रिक्की केज ने दिया है। यह फिल्म जल्दी ही रिलीज होगी। फिल्म के निदेशक उमेश शुक्ला ने कहा कि इसे बनाना हमारे लिए बड़ी चुनौती थी। लेकिन बाबा की शक्ति से यह सब संभव हो पाया है। मुझे उम्मीद है कि जल्दी ही यह आप सबके बीच आएगी। जिससे बाबा की यादों को ताजा कर सकेंगे। दादी ने अपना आशीर्वचन देते हुए कहा कि इस फिल्म से बाबा की प्रत्यक्षता होगी। जो भी लोग इसे देखेंगे उन्हें बाबा के बारे में ज्यादा बताने की आवश्यकता नहीं होगी। महासचिव बीके निर्वैर भाई ने कहा कि इससे हम बाबा के सपनों को साकार कर सकेंगे। बाबा का यह संदेश था कि परमात्मा के हर बच्चे तक बाबा का संदेश पहुंचे। फिल्म के प्रोडयूसर डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि इस फिल्म को दादी प्रकाशमणि विजडम पार्क में दिखाया जाएगा। जो भी पर्यटक इसे देखने आयेंगे इससे उनको परमात्मा का संदेश मिलेगा। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करुणा भाई ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं।

ब्रह्मा बाबा की 55वीं पुण्य तिथि पर विशेष

नारी को शक्ति

बनाने का ऐसा संकल्प कि सारी जमीन-जायजाद बेचकर ट्रस्ट बनाया, संचालन की जिम्मेदारी सौंपी और खुद हो गए पीछे

- 18 जनवरी 1969 को 93 वर्ष की आयु में अव्यक्त हुए थे ब्रह्मा बाबा
- **ब्रह्मा बाबा का संकल्प आज हो रहा साकार, नारी को शक्ति बनाने की सोच ले रही आकार**
- हीरों के जौहरी से विश्व शांति के मसीहा का सफर

- 87 वर्ष पूर्व 1937 में हुई संस्था की शुरुआत
- **140 देशों में सेवाकेंद्र संचालित**
- 05 हजार सेवाकेंद्र देशभर में संचालित
- **46 हजार ब्रह्माकुमारी बहनें समर्पित**

- **20 लाख लोग नियमित विद्यार्थी**
- 02 लाख बालब्रह्मचारी युवा सदस्य
- **1970 में विदेशी सरजमीं पर शुरुआत**
- 07 पीस मैसेंजर अवार्ड यूएनओ ने दिए
- **20 प्रभागों के माध्यम से समाज के सभी वर्ग की सेवा**

फिर कभी जीवन में पैसों को हाथ नहीं लगाया-

ब्रह्मा बाबा ने माताओं-बहनों को जिम्मेदारी सौंपकर खुद कभी पैसों को हाथ नहीं लगाया। यहां तक कि उनमें इतना निर्माण भाव था कि खुद के लिए भी कभी पैसे की जरुरत पड़ती तो बहनों से मांगते थे। बाबा कहते थे कि नारी ही एक दिन दुनिया के उद्धार और सृष्टि परिवर्तन के कार्य में अग्रणी भूमिका निभाएगी जो सपना साकार हो रहा है।

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

नारी नरक का द्वार नहीं सिर का ताज है, नारी अबला नहीं सबला है, वह तो शक्ति स्वरूपा है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और नारी के उत्थान के संकल्प के साथ उसे समाज में खोया सम्मान दिलाने, भारत माता, वंदे मातरम् की गाथा को सही अर्थों में चरितार्थ करने वर्ष 1937 में उस जमाने के हीरे-जवाहरात के प्रसिद्ध व्यापारी दादा लेखराज कृपलानी ने परिवर्तन की नींव रखी। नारी उत्थान को लेकर उनका दृढ़ संकल्प ही था कि उन्होंने अपनी सारी जमीन-जायजाद बेचकर एक ट्रस्ट बनाया और उसमें संचालन की जिम्मेदारी नारियों को सौंप दी। इतने बड़े त्याग के बाद भी खुद को कभी आगे नहीं रखा। लोगों में परिवारवाद का संदेश न जाए इसलिए बेटी तक को संचालन समिति में नहीं रखा। हम बात कर रहे हैं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संस्थापक दादा लेखराज कृपलानी जिन्हें सभी प्यार से ब्रह्मा बाबा कहकर पुकारते हैं। 18 जनवरी 1969 को 93 वर्ष की आयु में संपूर्णता की स्थिति प्राप्त कर बाबा अव्यक्त हो गए थे। लेकिन उन्होंने अपने जीवन में जो मिसाल पेश की उसे आज भी लाखों लोग अनुसरण करते हुए राजयोग के पथ पर आगे बढ़ते जा रहे हैं। संस्थान की मुख्य शिक्षा और नारा है- स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन और नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना। ब्रह्मा 18 जनवरी को बाबा की 55वीं पुण्यतिथि ब्रह्माकुमारीज़ के देश-विदेश में स्थित सभी सेवाकेंद्रों पर विश्व शांति दिवस के रूप में मनाई गई। मुख्यालय में माउंट आबू स्थित बाबा की स्मृति में बने शांति स्तंभ पर सभी वरिष्ठ दीदी-दादियों और भाइयों सहित 20 हजार से अधिक लोगों ने योग-तपस्या से अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

60 वर्ष की उम्र में रखी बदलाव की नींव

15 दिसंबर 1876 में जन्मे दादा लेखराज बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि और ईमानदार थे। उन्हें परमात्म मिलन की इतनी लगन थी कि अपने जीवन काल में 12 गुरु बनाए थे। वह कहते थे कि गुरु का बुलावा मतलब काल का बुलावा। 60 वर्ष की आयु में वर्ष 1936 में आपको दुनिया के महाविनाश और नई सृष्टि का साक्षात्कार हुआ। इसके बाद आपने परमात्मा के निर्देशन अनुसार अपनी सारी चल-अचल संपत्ति को बेचकर माताओं-बहनों के नाम एक ट्रस्ट बनाया, उस समय संस्थान का नाम ओम मंडली था। वर्ष 1950 में संस्थान के माउंट आबू स्थानांतरण के बाद इसका नाम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय पड़ा। इसकी प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती को नियुक्त किया गया। दादा लेखराज की एक बेटी और दो बेटे थे। संस्थान के विश्व के 140 देशों में 5000 से अधिक सेवाकेंद्र संचालित हैं। 46 हजार ब्रह्माकुमारी बहनें समर्पित रूप से तन-मन-धन के साथ अपनी सेवाएं दे रही हैं। 20 लाख से अधिक लोग इसके नियमित विद्यार्थी हैं जो संस्थान के नियमित सत्संग मुरली क्लास को अटेंड करते हैं। दो लाख से अधिक ऐसे युवा जुड़े हुए हैं जो बालब्रह्मचारी रहकर संस्थान से जुड़कर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। समाज के सभी वर्गों तक राजयोग का संदेश देने के लिए 20 प्रभागों की स्थापना की है।

दुनिया का एकमात्र और सबसे बड़ा संगठन...

ब्रह्माकुमारी संस्थान नारी शक्ति द्वारा संचालित दुनिया का सबसे बड़ा और एकमात्र संगठन है। यहां मुख्य प्रशासिका से लेकर प्रमुख पदों पर महिलाएं ही हैं। नारी सशक्तिकरण का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है कि यहां के भोजनालय में भाई भोजन बनाते हैं और बहनें बैठकर भोजन करती हैं। संगठन की सारी जिम्मेदारियों को बहनें संभालती हैं और भाई उनके सहयोगी के रुप में साथ निभाते हैं। संस्थान के साथ जुड़ना तो आसान है लेकिन ब्रह्माकुमारी बनने का रास्ता त्याग-तपस्या से होकर गुजरता है। सात साल तक संपूर्ण रीति संस्थान के ईश्वरीय संविधान पर चलने के बाद ही ब्रह्माकुमारी के रुप में समर्पण किया जाता है।

चौथी से लेकर पीएचडी डिग्रीधारी बहनें समर्पित...

राजयोग ध्यान का ही कमाल है कि संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका स्व. राजयोगिनी दादी जानकी जो मात्र चौथी कक्षा तक पढ़ीं थी लेकिन 60 वर्ष की उम्र में वह विदेशी सरजमीं पर पहुंचीं। 90 साल की उम्र तक उन्होंने अकेले 100 से अधिक देशों में भारतीय आध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन का परचम लहराया। इसके अलावा ज्ञान-ध्यान की बदौलत अनेकों ऐसी बहनें हैं जो आठवीं कक्षा से कम पढ़ी-लिखीं हैं लेकिन जब वह मंच से शक्ति स्वरुपा बनकर दहाड़ती हैं तो लोग दांतों तले अंगुली दबा लेते हैं। संस्थान में डॉक्टर, इंजीनियर, साइंटिस्ट, वकील, प्रोफेसर, जज, आईएएस से लेकर सिंगर तक हैं जिन्होंने बाकायदा प्रोफेशनल डिग्री लेने के बाद आध्यात्म की राह अपनाई और समर्पित रुप सेवाएं दे रही हैं।

रियल लाइफ

परमात्मा का अनुभव होते ही सब उत्तर मिल जाते थे...

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

जब बच्चे ब्रह्मा बाबा के नेत्रों रूप खिड़कियों से शिव बाबा आत्माओं से मिलते। बाबा "बच्चे, मीठे बच्चे....' कहकर पुकारते तथा पुचकारते। परन्तु ये शब्द उच्चारण होने से पहले ही कई जिज्ञासु तो उस चुम्बक के पास ही पहुँच जाते। बाबा और मम्मा का तन क्या था, इस पृथ्वी पर सुखधाम और शान्तिधाम था। उस पारसनाथ के स्पर्श से ऐसा महसूस होता था कि पवित्रता की धारणा का प्रभाव उनकी प्रकृति पर भी खूब पड़ा है। कहावत भी है -'संत बड़े परमार्थी शीतल जिनके अंग, औरों को शीतल करें, दे दे अपना रंग।' सचमुच उन दोनों के तन में भी ऐसी विलक्षणता थी कि जिससे आत्मा की जन्म-जन्मान्तर की थकावट दूर हो जाती थी। परन्तु उस ईश्वरीय गोद का सौभाग्य उन्हीं को मिल सकता जो आजीवन ब्रह्मचर्य की धारणा की तथा योगाभ्यास की प्रतिज्ञा लिये हुए होते थे। वास्तव में उस मिलन में देह का भान ही नहीं होता था। अपनी देह की भी सुधबुध न होती थी।

अशरीरी अवस्था क्या होती है और आत्मा का परमात्मा से मिलन कैसा होता है, उसका जो अवर्णनीय अनुभव उन सुखद क्षणों में होता था, उससे आत्मा गद्गद् होती थी। तब मन में इस संसार का कोई संकल्प या आभास नहीं होता था और आसपास बैठे यज्ञ-वत्सों की उपस्थिति का भी पता नहीं रहता था। अहा, आत्मा का परमपिता से वह मिलन ऐसा होता था कि तब बीच में किसी दूसरे की याद, किसी भी प्रकार का कोई संकल्प-विकल्प, मन में कोई भी इच्छा या तृष्णा नहीं होती थी बल्कि एक आत्मा और दूसरा पिता परमात्मा, दोनों बिन्दु आपस में ऐसे स्नेह और चाव से मिलते थे और परमात्मा की ओर आत्मा का ऐसा दिव्य आकर्षण रहता था कि कैसे उसकी व्याख्या करें! एक सेकण्ड में यह स्थिति होती थी कि जिसमें न जमीन का भान, न आसमान का पता रहता था और आत्मा सर्वभावेन परमपिता परमात्मा की होकर अभूतपूर्व आनन्द में, देश में, शान्ति में, प्रेम में, रस में तन्मय होती थी, फिर स्थिति थोड़ी- थोड़ी करके इस ऊँचाई से नीचे की ओर होती थी। परन्तु उस अनुभव की याद में जिज्ञासु खोया रहता था। उस अनुभव को पाने की उसे फिर तीव्र उत्कण्ठा रहती थी। 'परन्तु अब अन्य भाई-बहनों ने मिलना है', मन में थोड़ा यह संकल्प उठने के कारण वह स्वयं को जैसे-तैसे कण्ट्रोल करता था।

जिज्ञासुओं के पहले जो ये प्रश्न उठते थे कि परमात्मा का मिलन कैसे होता होगा, उस समय वातावरण और वायुमण्डल किस प्रकार होगा, शिव बाबा की प्रवेशता का पता कैसे चलेगा - इनके उत्तर उन्हें अपने अनुभव में मिलते थे। परन्तु यह अनुभव उस घड़ी होता था जिस घड़ी वे प्रश्न भी मन में प्रादुर्भूत न होते थे बल्कि आत्मा एकटिक होती थी।

जिज्ञासुओं द्वारा अनुभव का वर्णन

ब्रह्माकुमारी हृदयमोहिनी जो कहती हैं - जिज्ञासु बाद में जब अपना अनुभव सुनाते थे तो कहते थे - 'हम जब बाबा से मिले तो हमने पहले तो एक दिव्य प्रभाव (Divine Presence) अनुभव किया। आत्मा में शान्ति का स्पर्श गहरा-गहरा होता गया। बाबा से जब दृष्टि ली तो उसमें एक विचित्र स्नेह का अनुभव हुआ। उन नेत्रों से एक सर्च-लाइट का आभास हुआ अथवा ऐसा महसूस हुआ कि जैसे कोई अपनी अँगुलियों को बिजली की पॉवर (Power) वाले शू (Shoe) के दो सुराखों पर रखने से खिंचाव तथा अपने तन में एक करंट महसूस करता है।

परन्तु यह खिंचाव और करंट मन को बहुत प्रिय लगता है, आत्मा को सुहाता और भाता है ! आत्मा स्वयं में एक शक्ति का संचार तथा स्वयं पर प्रकाश का एक फव्वारा-सा छूटता महसूस करती है। वह स्वयं को आकाश तत्व की बजाय प्रकाश तत्व में अनुभव करती है। तब कोई अपवित्र संकल्प नहीं उठता है।... **क्रमशः**

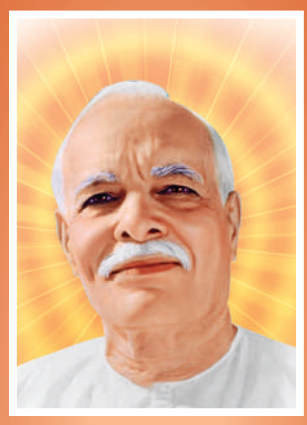

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

ईश्वरीय गोद का सौभाग्य उन्हीं को मिल सकता था जिन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य की धारणा की

प्रेरणापुंज

खुद और दूसरों के प्रति हमारी दृष्टि में दया- दुआ का भाव हो

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

देह यही है लेकिन आत्मा जैसे इस देह में होते हुये भी विकारों से मुक्त है। सहज पांच विकारों को छोड़ दिया, फेंक दिया। किसी को छोड़ने में थोड़ा टाइम लगा होगा। अगर मोह वश थोड़ा भी छोड़ने में टाइम लगाया तो बाबा को भी छोड़ के चले गये, या क्रोध के वश होके बाबा को छोड़ के चले गये। क्रोध का कारण भी है देह अभिमान, मेरी बात मानी जाये, मैं जो कहूँ वही हो। उसको श्रीमत को पालन करना मुश्किल लगेगा। बीच में मनमत होगी तो बड़बड़ करते रहेंगे। शान्त नहीं हो सकेंगे। ईश्वर की बात को ध्यान से सुन करके धारण नहीं कर सकेंगे। कारण है-देह अभिमान, क्योंकि देह-अभिमान गुस्सा दिलाता है। जिन्होंने काम महाशत्रु को भी जीत लिया फिर भी बाबा का हाथ छोड़ देने का मतलब है क्रोध। वह भी कम नहीं है तो हमारे में जरा भी गुस्से का अंश मात्र भी न हो तब कहेंगे- हम अपना मित्र हैं। नाराज होने की अंश मात्र भी नेचर न हो। कभी भी नाराज हुये माना मूड चेंज हो गयी। अपमान महसूस किया तो वह योगी कैसे बन सकता है। जो सच्चा योगी है वह दुःख-सुख, मान-अपमान, निन्दा-स्तुति, हार-जीत में समान हैं। यही लाइफ है।

राजयोगिनी दादी जानकी, पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू

> जब सर्वशक्तिमान परमात्मा के साथ योग है तो वह शक्ति मेरे पास हो जिससे समान रहने की शक्ति मेरे अन्दर आए

ममा बाबा को ऐसे देखा है। सब समझें यह हार में जा रहे हैं लेकिन बाबा कहते कि धीरज धरो। बाबा किसी भी बात में किसी को दोषी नहीं समझते थे। कहते थे कि इसमें इसका दोष नहीं। बस जवाब यही होता था। कितना हमको बाबा समझदार बनाता है तो हम भी ऐसे शान्त, चुप रहें अगर योगी हैं तो, इससे आपे ही सब ठीक हो जायेगा लेकिन पहले तुम योगी तो बनो। योग से काम तो लो, कम से कम दुःख-सुख, हार-जीत में समान तो बनो। जो भी सीन सामने आ रही है, तुम तो समानता में रहो। फिर जिससे योग लगाते हैं वह आपे ही करेगा। हमको तो इन बातों का इतना अच्छा अनुभव है बात पूछो।

हमारा योग किसके साथ है? जब सर्वशक्तिमान के साथ योग है तो वह शक्ति मेरे पास हो जिससे समान रहने की शक्ति मेरे अन्दर आये। सामना करने का या बदला लेने का याल न आये लेकिन उसमें भी समान रहूँ। चिन्तन न चले। मैं शान्त रहूँ तो बुद्धिवानों का बुद्धि बाबा आपे ही उनको ठीक करेगा, वह उसका काम है। मेरा काम क्या है? बाबा कहते हैं 'स्वधर्मó में टिको, धरत परिये धर्म न छोड़िए। यह स्वधर्म शक्ति देने वाला है। हरेक को अनुभव होगा जितना समय डीप साइलेन्स में रहो उतना समय शक्तिशाली स्थिति का अनुभव होगा। कमजोरी महसूस तब होती है जब साइलेन्स में नहीं रहते। जैसे ठीक टाइम पर हमने खाना नहीं खाया, रेस्ट नहीं की तो कमजोरी आयेगी। वैसे साइलेन्स में हम न रहे, शान्ति से शक्ति अन्दर जमा नहीं की तो खर्चा बहुत कमाई कम।

क्रमशः...

अव्यक्त इशारे

हिम्मत का पहला कदम बढ़ाएंगे तो ही परमात्म मदद मिलेगी...

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

वास्तव में जितना बड़ा पोजीशन उतनी बड़ी बातें आयेंगी। लेकिन बड़ा होने के कारण उनमें शक्ति भी भरी होती है तो आपको दिखाई नहीं देगा कि इनके आगे भी कुछ आता है। आप समझेंगे कि यह तो बड़े आराम से मजे में हैं। देखो हमारी बड़ी दादी है। कितनी जिम्मेवारियां हैं। हम तो बाबा को यही कहते कि बाबा हमारी दादी को आप अंत तक जरूर रखना क्योंकि बड़ी दादी जैसी हिम्मत और कोई में तो दिखाई नहीं देती है। बाकी बाबा हिम्मत दे देवे वह बात दूसरी है। लेकिन बिना अपनी हिम्मत के बाबा की मदद नहीं मिलती है। बाबा ने यह कंडीशन पक्का रखा है क्योंकि अगर बाबा किसको मदद करे तो बाबा को कहेंगे पास खातिरी करने वाला। तो बाबा पास खातिरी थोड़े ही करेगा। इसलिए बाबा कहते हिम्मत का कदम एक आपका फिर मैं हजार कदम, सौ कदम कितनी भी मदद करने के लिए तैयार हूं। जो करेगा वह पाएगा। वह बहुत अच्छी मदद करता है लेकिन पहले हिम्मत का एक संकल्प रूपी कदम हमारा हो। बाबा प्यार का सागर भी है लेकिन स्ट्रिक भी बहुत है, कायदा भी पूरा रखता है। यह भी कर्मो की गति है। एक कदम का कर्म हम करें फिर बाबा मदद करेगा। बाकी सिर्फ बाबा ही करे, यह नहीं होता है। यहां ब्राह्मण परिवार में ऐसे नहीं चलता। हर एक में कोई विशेषता होगी तो कमियां भी होंगी क्योंकि अभी एक सीट भी फाइनल रिजर्व नहीं है। नम्बर पहला, दूसरा, मम्मा बाबा की तो फिक्स है। तीसरे नम्बर से सब खाली हैं। अभी रेस चल रही है। सीटी बजेगी तो सभी को सीट मिलेगी। अभी सीटी नहीं बजी है। अभी तो सब दौड़ रहे है यानि पुरूषार्थ कर रहे हैं। सभी को चान्स है, मार्जिन है रेस करो। लास्ट सो फास्ट का एक्जैम्पुल भी जरूर होना है। बाबा तो विदेशों को भी कहता है कि लास्ट सो फास्ट में भी अपना नम्बर भी हो सकता है। पता थोड़ ही पड़ता है, माया के तूफान अच्छे-अच्छे को भी पीछे ले जाती हैं। यह भी समाचार बहुत सुनते हैं। इतना अच्छा जिसमें शक भी नहीं होगा, वह शादी करके पूंछ लटाकाके आ रहा है। यह भी होता है माया है न। माया पता नहीं क्या-क्या करा लेती है तो किसी की भी नहीं सीट मुकरर नहीं है। आप सभी को चाँस है,कोई भी नम्बर ले सकता है। जब तक टू-लेट का बोर्ड नहीं लगा है, इसलिए मार्जिन है,टू-लेट का बोर्ड लग जाएगा फिर नहीं होगा। कोई भी महारथी बन सकता है। महारथी माना जो परिस्थितियों का सामना करने में महान आत्मा हो। जो समस्याओं में विजयी बन जाये। महान हो। गीत में गाते हैं कि बाबा आप साथ-साथ हो,जब बाबा साथ-साथ है तो जहां बाप है वहां माया आ सकती है क्या? अगर माया आती है तो जरूर उस समय बाबा गायब हैं। सदा बाबा साथ है तो छोटी-मोटी बातें अगर हो भी जाती हैं तो भी मनकी स्थिति न्यारी रहती है। हम परिवार से अलग भी नहीं रह सकते क्योंकि सारे कल्प में हमारे साथ ब्राह्मण आत्माएं ही रहती हैं। **क्रमशः....**

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

> महारथी माना जो परिस्थितियों का सामना करने में महान आत्मा हो। जो समस्याओं में विजयी बन जाये। महान हो।

सुख-शांति भवन में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सीएम शिवराज सिंह ने लिया भाग

कर्म में ही मेरा अधिकार है, फल की क्या चिंता करना : पूर्व सीएम

शिव आमंत्रण, भोपाल (मप्र)

जैसे-जैसे भौतिकता का विकास हुआ है वैसे जिंदगी तो आसान होती गई है। फिर भी हमें बहुत मुश्किल अनुभव होती है। बाहर से तो हमने बहुत विकास कर लिया लेकिन अंदर से चिंता, गुस्सा, तनाव, डर, असुरक्षा इन भावनाओं की वजह से हमें मुश्किल अनुभव होती है। इसे आसान बनाने के लिए मैं कौन और मेरा कौन यह समझना बहुत आवश्यक है। यह शरीर एक गाड़ी है, इसके अंदर मैं एक आत्मा हूं। राजयोग मेडिटेशन हमें इसका अनुभव कराता है। आत्मा के अंदर तीन चीजें हैं - मन, बुद्धि और संस्कार। जब विचार कृति में आता है तो उसे संस्कार कहा जाता है। जो हम देखते हैं, सुनते हैं, बोलते हैं वह हमारे अंदर रिकॉर्ड हो जाता है और इससे ही हमारे संस्कार बनते हैं। जो मैंने किया उसके फल स्वरुप मेरे जीवन में दो चीजें आ रही हैं- सुख या दुःख। मुझे जिंदगी को आसान बनाना है तो दूसरे क्या कर रहे हैं यह देखने के बजाय खुद के कर्मों पर मुझे ध्यान देना होगा। अगर आम चाहिए तो आम का बीज ही बोना पड़ेगा। और आम का बीज है- स्वयं को आत्मा समझना, औरों को आत्मिक प्रेम की भावना से देखना। गलत रास्ते पर चलकर जिंदगी आसान नहीं हो सकती। यह कहना था दिल्ली से पधारी मोटिवेशनल स्पीकर एवं यूथ विंग की जोनल कोऑर्डिनेटर बीके अनसूया दीदी का। अवसर था नीलबड़ स्थित सुख शांति भवन के पांचवें वार्षिक उत्सव का। अनुभूति सभागार में चल रहे इस समारोह में आप मुख्य वक्ता के रूप में अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर रही थी।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विषय पर अपने विचार रखें। उन्होंने कहा, 'चिंता, तनाव, डर यह जिंदगी को कठिन बना देता है। आखिर हम इस जग में है कितने समय के लिए। यह दुनिया तो धर्मशाला है। हम जितने समय के लिए आए हैं उतने समय कैसे जिए, यही जीवन जीने की कला है। आपने श्रीमद् भागवत गीता में वर्णित सात्विक कर्ता की व्याख्या समझाते हुए कहा, कर्म में ही मेरा अधिकार है, फल जो भी मिले क्या चिंता करना तो जीवन आनंद से भर जाएगा। आपने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि मैंने बचपन से बहनों के साथ अन्याय होते देखा, इसलिए महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में काम करना शुरू किया। लाड़ली लक्ष्मी से लाडली बहना योजना तक का मेरा राजनीतिक प्रवास संघर्षपूर्ण रहा। अब लाडली बहना को लखपति बहाना बनाना मेरा लक्ष्य है। लोगों की गरीबी की मानसिकता मिटाने के लिए मैं ब्रह्मकुमारी बहनों का जरूर सहयोग लेना चाहूंगा। इन बहनों के अंदर जो उत्साह है उसी के बल से यह सारे समाज को पावन बनाने की सेवा कर रही है।

इन्होंने भी रखे विचार-

कार्यक्रम में विधानसभा के मुख्य सचिव श्री अवधेश प्रताप सिंह जी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री सुनील कुमार गुप्ता, आर्यावर्त विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एन के तिवारी एवं भोपाल शहर के गणमान्य प्रबुद्ध जन आदि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। सभी का शब्द सुमनों द्वारा स्वागत सुख शांति भवन की डायरेक्टर बीके नीता दीदी ने किया। सूत्रसंचालन वरिष्ठ राजयोगी बीके रामकुमार ने किया । कार्यक्रम के अंत में 'सुख शांति भवन कुछ कहता है'इस सुंदर नृत्य नाटिका का मंचन किया गया।

परमात्मा के आशीर्वाद से मिली जीतः राज्यमंत्री देवासी

शिव आमंत्रण, आबू रोड

राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने देर रात ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय शांतिवन पहुंचकर मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी से स्नेह मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर आबू रोड से भाजपा नेता सहित जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। मंत्री बनने के बाद पहली बार आबू रोड पहुंचे देवासी का जगह-जगह जोरदार स्वागत किया गया। वहीं शांतिवन पहुंचने पर दादी कॉटेज में दादी ने शॉल पहनाकर और स्मृति चिह्न प्रदान कर मंत्री का सम्मान किया। इस दौरान राज्यमंत्री देवासी ने कहा कि परमात्मा के आशीर्वाद से जीत मिली है। यह जीत जनता जर्नादन की जीत है। क्षेत्रवासियों की जाती है। मेरा प्रयास रहेगा का विकास में कोई कोर-कसर न छोड़ें। ब्रह्माकुमारीज़ में आकर अपनापन लगता है। लंबे समय से दादियों का स्नेह बना हुआ है। आज दादी से मिलकर बहुत प्रसन्नता हुई। चुनाव के बाद से ही मन में संकल्प था कि दादी से मिलकर आशीर्वाद लेना है। अतिरिक्त महासचिव बृजमोहन भाई ने भी अपने अनुभव सांझा किए।

शिव आमंत्रण, रीवा (मप्र)

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के रीवा प्रथम आगमन पर उन्हें स्मृति चिन्ह और स्नेह मुलाकात करते हुए क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी बीके निर्मला दीदी जी एवम बीके प्रकाश भाई और साथ में है भाजपा के जिला अध्यक्ष डॉ अजय सिंह और युवा नेता एवं समाजसेवी परमजीत सिंह डंग।

दुआओं से असंभव भी संभव हो जाता है :बीके शिवानी दीदी

ब्रह्माकुमारीज़ एवं जैन इन्टरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन का संयुक्त आयोजन : कड़कड़ाती ठंड में भी दीदी को सुनने सुबह 7 :30 बजे अभय प्रशाल खचाखच भरा

शिव आमंत्रण, इन्दौर/मप्र

हमारे मन की शुभ दुआओं युक्त सोच-विचार प्रणाली सकारात्मक ऊर्जा बन जाती है। दुआ अर्थात् मेरी सोच दूसरों के लिए सफलता की कामना प्राप्त कराने की हो। आप स्वस्थ हो, निरोगी हो, बहुत अच्छे हो जैसे उच्च सकारात्मक प्रकम्पन्न के सोच ही दुआ हैं। इससे हमारी आत्मा की शक्ति बढ़ेगी तो विपरीत परिस्थिति भी परिवर्तित हो जायेगी, असम्भव भी सम्भव हो जायेगा। दुआएं हमारे कार्मिक एकाउण्ट को व्यर्थ के बोझ से मुक्त रखती है। अच्छी सोच रखने से दुआएं हमारी आत्मा की इम्यूनिटी पॉवर बढ़ाती है। दुआओं के बैंक बैलेन्स में वृद्धि करने की सहज विधि है- दृढ़ता से शुभ संकल्पों को मन में बार-बार पुनरावृत्ति करना।

प्रख्यात आध्यात्मिक अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी ने आज अभय खेल प्रशाल में 'दुआओं का बैंक बैलेन्स' विषय पर ब्रह्माकुमारीज़ एवं जैन इन्टरनेषनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में दिव्य उद्बोधन देते हुए उक्त विचार व्यक्त किये। बड़ी संख्या में लोगों से खचाखच भरे सभागार में उन्होंने कहा कि मेरी सोच दुआएं देने की है तो परिस्थितियां भी बदल जाती है तथा सब अच्छे हैं, सब अच्छे हैं - यह मन में विचार लाते-लाते मेरी खुद की स्थिति श्रेष्ठ बन जाती है। इन्दौर शहर की स्वच्छता के क्षेत्र में देश में हर बार प्रथम नम्बर आने की प्रशंसा करते हुए शिवानी दीदी ने कहा कि यहां के लोगों ने स्वच्छता को संस्कार और संस्कृति के रूप में अपना लिया है। अब शहर की स्वच्छता के साथ-साथ लोगों के मन की मैल को भी दुआएं देकर स्वच्छ बनाना है। उन्होंने इन्दौर शहरवासियों से आह्वान किया कि न सिर्फ इन्दौर को ही स्वच्छ बनाना है बल्कि दुआएं देना है कि अन्य शहर भी स्वच्छता को अपनाएं । इस प्रकार हमारा भारत देश स्वच्छ शहरों वाला देश बनेगा और फिर विश्व स्वर्णिम बनेगा। हर एक के प्रति मन से, दिल से देते-देते स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत के साथ-साथ अब स्वर्णिम भारत भी बनाना है। यह सम्भव तब होगा जब हमारी खुद की सोच सबके प्रति दुआएं देने की होगी। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, इन्दौर कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी., नगर निगम कमिश्नर हर्षिका सिंह ने तथा जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के पदाधिकारियों हितेन्द्र मेहता, प्रियंका जैन ने स्वागत किया तथा रेखा जैन ने सम्मान-पत्र का वाचन कर भेंट किया। इन्दौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने स्वागत किया।

संपादकीय

...तो हर घर में आ सकते हैं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम

देशभर और दुनिया भर में 22 जनवरी 2024 याद किया जा रहा है। क्योंकि भारत देश में एक ऐसा आयोजन हुआ जो हमेशा के लिए अमर हो गया। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की गई। 500 साल तक जिसका इंतजार था वह पूरा हुआ। इस दौरान ऐसा माहौल बना जैसे लगा श्रीराम रावण का वध कर अयोध्या लौटे हैं। प्राण-प्रतिष्ठा हो गई, देश में जश्न मना। परन्तु रामराज्य स्थापित हो इसका प्रयास करना चाहिए। आज तो प्रत्येक घर में रावण वाले आसुरी प्रवृत्तियां हावी हैं। ऐसे में रामराज्य की कल्पना नहीं की जा सकती। ऐसे में जरूरी है कि भले ही राम मंदिर का दर्शन करने जाएं लेकिन यह संकल्प लें कि श्रीराम के चरित्र को अपने मानस में उतारें। हर बेटा राम जैसा बेटा बने, राम जैसा पति, राम जैसा भाई और राम जैसा परोपकारी बनें। यदि ऐसा संकल्प सामूहिक रूप से किया जाए तो यह तरंगे आसुरीयता के माहौल को समाप्त कर देंगी। फिर क्या, हर घर-गृहस्थ से गृहस्थ आश्रम बन जायेगा, स्वर्ग बन जायेगा। राम राज्य की परिकल्पना साकार हो जायेगी। यही समय की मांग है और माहौल भी। तो आप सभी से गुजारिश है कि अपने संकल्पों के पांव को मजबूती से जमाए रखें, जिससे रामराज्य स्थापित हो जाए।

बोध कथा/जीवन की सीख

किसान की प्रेरक कहानी

किसान सालों से बहुत मेहनत करके फसल लगता पर जब काटने की बारी आती तब पानी गिर जाता या फिर ओले पढ़ जाते ओर आधी फसल ख़राब हो जाती। इस बात से परेशान होकर किसान भगवान के पास गया और कहने लगा आप को किसानी का कुछ भी ज्ञान नहीं है

, आप को पता ही नहीं है कब पानी गिराना है और कब धूप निकली है और कब मौसम ठंडा रखना है और कब गर्म रखना है। अगर आप मेरे हिसाब से सब करे तो आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते की फैसले कितनी अच्छी निकलेगी। भगवान मुस्कुराये और किसान को शक्ति दे दी और कहा जब तुम्हारी फसल निकले तब मेरे पास आना। किसान बहुत खुश हुआ और मन में यह सोचते हुए गया अब देखो मैं बताऊंगा की कैसे किसानी के लिए मौसम लाया आता है। अब पुरे समय किसान को जैसा लगता वैसा ही वह पानी गिरता , घूप निकलता और ठंड लाता । देखते देखते किसान की फसल बहुत शानदार हो गई। ऐसा लग रहा था जैसे इस से पहले कभी इतनी अच्छी फसल लगी ही न हो , इस बात से किसान बहुत खुश हुआ और कुछ ही दिनों में फसल काटने का समय आ गया। जब किसान ने फसल काटी तो वह चौक गया ,उसने देखा फसल में तो दाने ही नहीं है और जो कुछ भी दाने है वह बहुत कमजोर है। इस बात से परेशान होकर किसान फिर भगवान के पंहुचा और अपनी समस्या बताई। भगवान ने किसान से कहा जब तुम्हारी फसल ने की संघर्ष ही नहीं किया तो उसमे अच्छे दाने (फल) कहा से आ जाएगें , उन फसल ने आधी की मर सही , न ओलो की और न ही ख़राब मौसम की। एक अच्छी फसल के लिए संघर्ष करना बहुत जरुरी है। किसान को अपनी गलती समझ में आ गई और वह भगवान से माफ़ी मांग कर वापिस आ गया और फिर उस ने दोबारा कभी ख़राब मौसम की शिकायत नहीं।

संदेश : इस सीख देने वाली कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है की बिना संघर्ष के जीवन में सफलता नहीं मिलती। जब हम मेहनत करते है और परिणाम अपने हिसाब के नहीं मिलते तब हमें संयम रखना चाहिए और निरंतर मेहनत करते रहना चाहिए।

मेरी कलम से

डॉ. श्वेता डागर,
मिसेज इंडिया वर्ल्डवाइड प्रतियोगिता-2017 में दूसरे स्थान पर रहीं

स्प्रिचुअलिटी के कारण मुझे इतने बड़े कॉम्पटिशन में मिली सफलता

आध्यात्मिक ज्ञान के कारण सवालों के जवाब दे पाई

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

सफलता और असफलता हमारे विचारों पर निर्भर करती है। यदि ठान लिया तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। हमारे अंदर निरंतर विचारों का जो प्रवाह चलता रहता है वहीं हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करता है। आध्यात्मिकता से हमारे विचार सकारात्मक, पवित्र, शुद्ध और शक्तिशाली हो जाते हैं। मन के सारे द्वंद समाप्त हो जाते हैं और शांत मन से बड़े से बड़े कपटीशन को जीता जा सकता है। मेरी सफलता का सबसे बड़ा राज राजयोग मेडिटेशन है। आध्यात्मिक ज्ञान से सीखा कि हर पल प्रजेंस ऑफ माइंड रहो। स्प्रिचुआलिटी एक ऐसा विज्ञान है जिसे लाइफ में फॉलो करने से आसान हो जाती है। मन शांत और पॉवरफुल हो जाता है। लाइफ के हर पहलू में बैलेंस करना आ जाता है। माइंड में पॉजीटिव थॉट्स का एक प्रवाह निरंतर बहता रहता है। इससे हम पारिवारिक और व्यावसायिक जिंदगी में न्याय कर पाते हैं। स्प्रिचुआलिटी (आध्यात्मिकता) की मदद से मैं इस कम्पटीशन में सवालों के जवाब दे पाई। आध्यात्म से हमारा सेल्फ कॉन्फिडेंस बढ़ जाता है जो लाइफ के हर मोड़ पर काम आता है। राजयोग मेडिटेशन हमें प्रजेंस ऑफ माइंड रहना सिखाता है। स्प्रिचुआलिटी से विचारों में सकारात्मकता बढ़ी। खुद को शांत रख पाती हूं। चीजों को सहन कर पाती हूं। लाइफ में बैलेंस आया। जब हमारा मन शांत होता है तो हम किसी भी समस्या का हल या समाधान बेहतर तरीके से खोज सकते हैं। आध्यात्म का ज्ञान हमें जीवन में बैलेंस सिखाता है कि कैसे हम पारिवारिक और व्यावसायिक जिंदगी को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकते हैं। इससे आप जो भी वर्क करते हैं उसमें सफलता मिलती है। आध्यात्म सिखाता है कि वर्तमान में जीओ और जिस समय जो भी कार्य कर रहे हैं उसे पूरी तन्मयता और मन से करो। साथ ही आध्यात्म से हमें खुद की कमियों का पता चल पाता है जिन्हें दूर करने से हमारी सक्सेस का रास्ता क्लीयर हो जाता है। राजयोग मेडिटेशन एक अंतर्जगत की यात्रा है जिसे खुद को ही करना होगी है। मैं बहुत टैलेंटेड महिलाओं के बीच रही उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनसे जीवन में अच्छा करने की प्रेरणा मिली। एक डॉक्टर, पत्नी, बहू होने के साथ श्वेता दो बच्चों की मां भी हैं। वह अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को बेहतर तरीके से मैनेज कर रही हैं। मेरा बचपन संघर्षपूर्ण रहा। ग्रामीण परिवेश में प्राथमिक शिक्षा हुई। श्वेता के डॉक्टर बनने के सपने पर किसी को भरोसा नहीं था। लेकिन उन्होंने लगन, कठिन परिश्रम से 4 साल में पीएमटी क्लीयर की। श्वेता ने कहा कि जब शहर पहुंची तो मुझे लगा गांव कि लड़कियों में सेल्फ कॉन्फिडेंस की कमी होती है। इससे कई बार वह सक्सेस से दूर रहती हैं। सकोची स्वभाव होने से भी उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सिया राम मय, सब जग जानी...

जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 67

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

आबू रोड (राजस्थान)।

शुभ भावना एवं शुभ कामना के आत्मगत स्वरुप द्वारा सर्वगुण सम्पन्नता की उच्चता का निर्माण, अंत:करण में आत्महित से आरंभ होकर सर्व मानव आत्माओं के उन्नयन और उत्थान हेतु निरंतर गतिशील रहता है । आत्मगत समभाव की सुखद परिणिति , मानव जीवन शैली की गतिशीलता के रहस्य को उजागर करती है जिसमें गुणात्मक परिवर्तन एवं परिवर्धन हेतु ' राजयोग द्वारा आध्यात्मिक पुरुषार्थ की उपयोगिता' को संपूर्ण , समादर भाव से आत्मिक परिष्कार हेतु आत्मसात किया जाना आवश्यक होता है । आत्म ज्ञान की बोधगम्यता में सत्य दर्शन की स्वाभाविकता, आत्मिक सम्पन्नता का बहुमुखी स्वरुप होता है जिसमें आत्मगत स्वभाव की सहजता एवं सरलता सामाजिक समरसता के माध्यम से निरंतर प्रवाहित होती रहती है । भारतीयता की पृष्ठभूमि में भारतीय आत्मा द्वारा सर्व धर्म समभाव के उद्घोष को विराटता के सानिध्य में बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की संस्कृति के माध्यम से संपूर्ण मानवता को सुखी बनाने के संदर्भित प्रसंग में सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया के सिद्धांत को प्रतिपादित करते हुए संपूर्ण विश्व को ही वसुधैव कुटुंबकम की गरिमा के विहंगम स्वरुप में स्वीकार कर लेता है जिसमें विश्व गुरु भारत, द्वारा धर्म ग्रंथों से आलोकित सिया राम मय, सब जग जानी का महानतम संदेश समाहित रहता है।

संपूर्ण समर्पण द्वारा सर्वगुण सम्पन्नता: जगत में आराध्य के प्रति ' भक्तिभाव से सम्पूर्ण - समर्पण के व्यावहारिक उदाहरण दुर्लभ स्वरुप में विद्यमान है जिसका अध्ययन एवं विश्लेषण करने से भक्तिकालीन सभ्यता और संस्कृति के उच्चतम आयाम स्वान्तः सुखाय रघुनाथ गाथा' के व्यापक परिदृश्य में प्रतिबिम्बित होते रहते हैं। ज्ञान की बोधगम्यता से जुड़ी यथार्थ आत्मानुभूति जब 'श्रद्धावान लभते ज्ञानम्' के संदर्भ एवं प्रसंग की विशिष्ट भूमिका के सानिध्य में संपूर्ण समर्पण द्वारा प्रस्फुटित होती है तब ' आत्मा स्वयं का ही मित्र' बनकर आत्मिक वैभव सम्पन्नता की उच्चता प्राप्त करती है । शुभ भावना एवं शुभ कामना के आत्मगत स्वरुप द्वारा सर्वगुण सम्पन्नता की उच्चता का निर्माण, अंत:करण में आत्महित से आरंभ होकर सर्व मानव आत्माओं के उन्नयन और उत्थान हेतु निरंतर गतिशील रहता है।

आत्मज्ञान युक्त भक्ति का पवित्रम स्वरुप: आत्मिक समृद्धि की मंगलकारी अवस्था सदा आत्मा के गुणों एवं शक्तियों से भरपूर रहती है जिसमें लोक कल्याणकारी भाव जगत की उपलब्धिपूर्ण गरिमामयी स्वरुप की विराटता का आभामंडल स्वमेव ही चहुँ दिशाओं में व्याप्त हो जाता है । परमात्म सत्ता के समक्ष सम्पूर्ण समर्पण , आत्मज्ञान युक्त भक्ति का पवित्रतम स्वरुप है जो आत्मिक परिदृश्य के सम्पूर्ण परिवेश को ' सर्वगुण - सम्पन्नता' की नैसर्गिक उच्चता में रुपांतरित कर देता है । जीवन में धर्म-कर्म के सामंजस्य से उपजने वाले सुखद संयोग को जीवात्मा द्वारा आत्मसात् करते हुए जब ' आध्यात्म - पुरुषार्थ ' के संदर्भित , गरिमामई स्वरुप को - " बड़े भाग्य मानुष तन पावा ..." की व्याख्या के सानिध्य में व्यावहारिकता के साथ चरितार्थ कर देता है तब आत्मज्ञान युक्त भक्ति का पवित्रम स्वरुप आत्महितकारी स्वरुप में स्वयं सिद्ध हो जाता है ।

आत्मगत समभाव में सामाजिक समरसता: समाज में शांति, अहिंसा एवं पवित्रता की स्थापना में धर्म , अध्यात्म और राजयोग के अवदान को वैश्विक दृष्टिकोण से वृहद स्तर पर स्वीकारोक्ति प्राप्त हुई है जिसके परिणाम स्वरुप - आत्मानुभूति के द्वारा अहिंसक जीवन शैली की नैसर्गिक व्यावहारिकता आत्मगत समभाव के रुप में मानव समाज की समरसता के माध्यम से प्रकट हो सकी है । जीवन की शुचिता का नैतिक धर्म, आत्मगत चेतना के प्रति संवेदनशील दृष्टिगत मनोभाव अपनाते हुए सदैव श्रेष्ठ मानव व्यवहार के योगदान की उज्जवल पृष्ठभूमि को संपूर्ण मनोयोग से रेखांकित करता है ताकि नैतिकता के उच्चतम मानदंड की गरिमा को बनाए रखने में मदद प्राप्त हो जाए। आत्मगत समभाव की सुखद परिणिति, मानव जीवनशैली की गतिशीलता के रहस्य को उजागर करती है जिसमें गुणात्मक परिवर्तन एवं परिवर्धन हेतु राजयोग द्वारा आध्यात्मिक पुरुषार्थ की उपयोगिता को संपूर्ण, समादर भाव से आत्मिक परिष्कार हेतु आत्मसात किया जाना आवश्यक होता है । **जीवात्मा के सर्वांगीण विकास की सुनिश्चितता:** चेतना का परिष्कृत स्वरुप जब सत्कर्म की गतिशील प्रवृति के अनुकरण एवं अनुसरण की सत्यता को जीवात्मा के सर्वांगीण विकास की सुनिश्चितता के संदर्भ एवं प्रसंग में सम्प्रेषित करता है तब सामाजिक समरसता की प्रमाणिकता सहज ही स्थापित हो जाती है । आत्म ज्ञान की बोधगम्यता में सत्य दर्शन की स्वाभाविकता आत्मिक सम्पन्नता का बहुमुखी स्वरुप होता है जिसमें आत्मगत स्वभाव की सहजता एवं सरलता सामाजिक समरसता के माध्यम से निरंतर प्रवाहित होती रहती है। भारतीयता की पृष्ठभूमि में भारतीय आत्मा द्वारा सर्व धर्म समभाव के उद्घोष को विराटता के सानिध्य में बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की संस्कृति के माध्यम से संपूर्ण मानवता को सुखी बनाने के संदर्भित प्रसंग में सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया के सिद्धांत को प्रतिपादित करते हुए संपूर्ण विश्व को ही वसुधैव कुटुंबकम की गरिमा के विहंगम स्वरुप में स्वीकार कर लेता है जिसमें - विश्व गुरु भारत, द्वारा धर्म ग्रंथो से आलोकित सिया राम मय , सब जग जानी का महानतम संदेश समाहित रहता है ।

जब आप किसी की सहायता करते हैं तो भगवान आपकी मदद करता है. हमेशा दूसरों की सहायता के लिए आगे रहो.

- गुरुनानक देव जी

अगर आपके अंदर किसी एक के लिए भी बैर है तो मंदिर जाना आपके लिए सिर्फ सैर है।

- महावीर स्वामी जी

खुश रहने के लिए सुबह उठते ही स्वयं को संकल्प दें- मैं खुशनसीब आत्मा हूं

शिव आमंत्रण, सिंगरौली/मप्र

जीवन में सकारात्मक परिवर्तन टापिक पर कार्यक्रम हुआ जिसमें बी के ज्योति दीदी जी ने कहा कि जीवन में खुश रहने के लिए सुबह उठते ही स्वयं को थॉट दें - मैं खुश हूं, मैं स्वस्थ हूं, मैं निश्चिंत हूं, जब कोई समस्या आए तो उस बात को पकड़कर नहीं रखना है सदा बोले कोई बात नहीं जाने दो। ब्रह्माकुमारी शोभा दीदी जी ने ब्रह्माकुमारी विद्यालय का परिचय दिया और कहा जो यहां का राज योग मेडिटेशन को सीखते हैं और जीवन में अप्लाई करते हैं तो तनाव मुक्त बनते हैं क्रोध मुक्त बनते हैं। ब्रह्माकुमारी खुशबू बहन ने मेडिटेशन की विधि बताई एवं मेडिटेशन कराया। बी. के. संगीता बहन ने सभी को शपथ दिलाई क्रोध मुक्त नशा मुक्त रहने के लिए बीके दीपेंद्र भाई जी ने कहा तीन बातों को छोड़ना है कि ईर्षा नफरत और क्रोध तीन बातों को अपनाना है। आनंद , ईमानदारी, एकाग्रता तो जीवन खुशहाल बन जाएगा। कार्यक्रम में निगाही प्रोजेक्ट के महाप्रबंधक हरीश दुहन जी ने अपनी शुभकामनाएं दी एवं सभी से आग्रह किया रोज राजयोग का अभ्यास करें और अपने जीवन को खुशी-खुशी जीयें और तनाव मुक्त जीवन जिए।

कार्यक्रम में पधारे सभी अधिकारियों ने कार्यक्रम का लाभ लिया साथ ही ज्योति दीदी जी ने डांस एक्टिविटी के द्वारा सभी को मनोरंजन कराया। अंत में सभी को प्रभु प्रसाद भी दिया गया ।

असफलता से निराश न हों,यही सफलता की पहली सीढ़ी है

शिव आमंत्रण, नीमच, मप्र

मानसिक दबाव कम करने के लिए किसी भी विषय पर बहुत अधिक सोचना बंद कर देना चाहिए.. जब अनिर्णय की स्थिति हो तब कुछ समय के लिए उसे होल्ड पर डाल दो.. और एक नींद की झपकी लो उसके बाद फिर से सोचो.. निर्णय सकारात्मक मिलेगा'' उपरोक्त विचार ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा युवा वर्ग के लिए आयोजित कार्यक्रम 'केरियर प्रेशर एण्ड मेन्टल हेल्थ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्व विख्यात प्रेरक वक्ता प्रोफेसर (डॉ.) ई.वी. स्वामीनाथन ने व्यक्त किये । इस कार्यक्रम की अति विशाल सभा जिसमें ज्ञान मंदिर लॉ कॉलेज, श्री जाजू शा. कन्या महाविद्यालय, श्री विवेकानन्द पी.जी.कॉलेज, ज्ञानोदय कॉलेज के अलावा विभिन्न प्रोफेशन से जुड़े 500 से अधिक युवा सम्मिलित थे । इन युवाओं से खेल-खेल में एवं बहुत ही जॉली मूड में डॉ. स्वामीनाथन ने संवाद किया और कहा कि - ''हर युवा अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से सपने अवश्य देखे, किन्तु ये सपने रात वाले नहीं दिन में खुली आंख से देखे और उन सपनों को पूरा करने के लिए जी जान से प्रयत्न करे तो सफलता अवश्य ही होगी । इस मौके पर नीमच सबझोन इंचार्ज बी.के. सविता दीदी, नीमच सबझोन के निदेशक बी.के.सुरेन्द्र भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

संकल्प से हमारा संस्कार बनता है और श्रेष्ठ संस्कार ही स्वर्णिम संसार लाएंगे

शिव आमंत्रण, संगमनेर, गुजरात

हमारे संस्कार ही स्वर्णिम संसार लायेंगे, जीन हाथों से हम दुसरे को मारते है, धक्का देते है, उनसे ही हम किसी को आशीर्वाद भी दे सकते है, यह हमारे सोच पर निर्भर करता है, यह बार बार करने से हमारे संस्कार ऐसे बन जाते है , ईनपर हमे नियंत्रण कर सकते है , खुद का राजा बने कोई युवा पहिली बार सिगरेट पीता है , व्यसन करता है वह कई बार सोचता है इसकी आदत लगेगी मेरा स्वास्थ्य खराब होने पर मालूम होने के बाद भी जब वह एक बार भी वो कर लेता है तो करते करते उसकी यह आदत बन जाती है वह उसका संस्कार बन जाता है ,संस्कार बदलेंगे तो घर बदलेगा , समाज बदलेगा और फिर सतयुग स्वर्णिम दुनिया आने में देर नहीं लगेगी उपरोक्त विचार प्रेरक वक्ता एवं जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन ने ब्रह्माकुमारी संस्था संगमनेर तपस्या भवन ओर लायन्स क्लब संगमनेर द्वारा आयोजित 'स्वर्णिम विचारों से स्वर्णीम संसार' कार्यक्रम में व्यक्त किए। ये कार्यक्रम मालपाणी लॉनस में आयोजित किया गया था। इस दौरान आयोजक राखी व संतोष करवा, अनुराधा व संजय मालपाणी (उद्योजक) शिवानी दीदी, सुनंदा दीदी- क्षेत्रीय संचालिका मीरा सोसायटी सबझोन पुणे,माजी नगराध्यक्षा दुर्गाताई तांबे , भारती दीदी सेवाकेंद्र संचालिका, सरिता बहन पुना , पदमा बहेन शिर्डी मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, जयपुर | जयपुर में सीएम भजनलाल से ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। साथ ही आबू रोड के मानपुर में एयरपोर्ट बनाने का आग्रह किया। इस पर सीएम ने जल्दी ही इसे बनाने की प्रक्रिया को बढ़ाने का आश्वासन दिया। इस दौरान जयपुर सबजोन प्रभारी बीके सुषमा दीदी, बीके प्रकाश भाई, पीआरओ बीके कोमल, शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके शिविका बहन, बीके चंद्रकला दीदी, वरिष्ठ पत्रकार राजेश असनानी मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में गया बिहार की बीके सुनीता बहन, बीके प्रतिमा बहन, बीके राजकुमार भाई आदि मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, डभोली/सूरत/गुजरात। डभोली सेवाकेन्द्र नए निर्मित भवन का उद्घाटन धामधूम से किया गया। उद्घाटन के लिए गुजरात के मेहसाना सबज़ोन की संचालिका तथा ग्रामीण विकास प्रभाग की चेर-पर्सन आदरणीय सरला दीदी विशेष रुप से पधारी थी. उनके साथ सुरत-वलसाड सबज़ोन की संचालिका रंजन बहन भी उपस्थित रहीं। सोसायटी में पैदल यात्रा के दरमियान दोनों तरफ माताओं कन्याओं द्वारा हो रही पुष्प-वर्षा के साथ दीदी को भवन में लाया गया। अन्य मेहमानों के साथ शिव-ध्वज लहराकर दीदी ने भवन में प्रवेश किया. नारियेल तोड़कर तथा रिबन काटकर गृह-प्रवेश करने के बाद बाबा के भंडारे का उद्घाटन करके वहाँ दीप प्रज्वलित किया. बाद में बाबा के कमरे का तथा होल का भी रिबन काटकर उद्घाटन किया गया. बाद में सब समारोह के स्थान पर पहुंचे. सुरत की अलौकिक फुलवारी के सभी भाई-बहनें वहाँ पहुंचे हुए थे।

शिव आमंत्रण, जबलपुर (कटंगा कॉलोनी), मप्र । मध्यप्रदेश के नवनियुक्त केबिनेट मंत्री राकेश सिंह से मुलाकात कर कटंगा कॉलोनी सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी विमला बहन, ब्रह्माकुमारी मधु बहन ने शुभकामनाएं और बधाई दी। साथ ही नगर के विकास में उमिट छाप छोड़ने का आह्वान किया।

शिवानी दीदी ने दिए पत्रकारों के सवालों के जवाब

रात को सोने के आधे घंटे पहले सारे विचारों को थाम दें

शिव आमंत्रण, इंदौर/मप्र

ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी के इंदौर आगमन पर ज्ञान शिखर, ओमशांति भवन के ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश 'भाईजी' सभागार में मध्यप्रदेश स्टेट प्रेस क्लब के पत्रकारों के साथ 'संवाद' कार्यक्रम आयोजित हुई । कार्यक्रम में मध्यप्रदेश स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, महासचिव नवनीत शुक्ला, नवभारत के समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी, राष्ट्रीय कवि प्रोफेसर राजीव शर्मा, सुप्रसिद्ध साहित्यकार रचना जौहरी, सोनाली यादव, मीना राणा शाह, दिव्य विजयवर्गीय सहित मीडिया के अनेक महानुभाव शामिल हुये। साथ ही इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी, उज्जैन सेवाकेन्द्र प्रभारी, भिलाई सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी, ब्रह्माकुमारी उषा दीदी व ब्रह्माकुमारी अनिता दीदी आदि उपस्थित रहे । पत्रकार आलोक वाजपेयी ने कार्यक्रम का मंच संचालन किया ।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी ने विशेष युवाओं के लिए सीख देते हुए कहा कि आज का युवा तनाव में जी रहा है। युवाओं की दिनचर्या नियमित, संयमित और अच्छी होना चाहिए। युवाओं को चाहिए कि वे सिर्फ सोशल मीडिया पर लाइक और कमेंट्स के लिए नहीं जिएं, तनाव का यही सबसे बड़ा कारण है। जिस तरह हम रोज मोबाइल की बैटरी चार्ज करते हैं, उसी तरह हमें चाहिए कि शरीर रूपी इस बैटरी (मशीन) की ओर भी ध्यान दें। योग-ध्यान प्राणायाम करें। रात को सोने के आधे घंटे पहले सारे विचारों को थाम दें। हम न सिर्फ सफल होंगे बल्कि बड़े भी बनेंगे। उन्होंने कहा, आज शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से ज्यादा जरूरी है आध्यात्मिक स्वास्थ्य जो आत्मा को शक्ति प्रदान करता है। ये स्वास्थ्य हमारे संस्कारों से जुड़ा है। ब्रह्ममुहूर्त में उठें तो आधा तनाव जिंदगी का वैसे ही खत्म हो जाएगा। आज अच्छी लाइफस्टाइल का मतलब युवा सिर्फ घूमना, फिरना, होटल में जाना, पार्टी करना, सोशल मीडिया पर ज्यादा से ज्यादा पोस्ट करना ही समझते हैं। ये जीवन नहीं, जीवन का महज एक हिस्सा है। युवाओं को चाहिए कि वे सिर्फ सोशल मीडिया पर लाइक और कमेंट्स के लिए नहीं जिएं, यह तनाव का सबसे बड़ा कारण है।

शिवानी दीदी ने कहा कि सोने से पहले मन की मशीन की गति को धीमा करने की जरूरत है। सोने के आधे घंटे पहले ऑफिस का काम करना या उसके बारे में सोचना छोड़ दें और सोने से 15 मिनट पहले जो कंटेंट हम ले रहे हैं वो शांत और आध्यात्मिक हो। दिमाग को उत्तेजित करने वाली चीजें सोने के ठीक पहले नहीं देखना चाहिए, क्योंकि दिमाग उन दृश्यों को सोने के बाद भी प्रोसेस करता रहता है। बच्चों को आज हम अच्छी लाइफस्टाइल दे रहे हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन हर बात पर हम हां कर देते हैं, यही उनके बिगड़ने, जिद्दी होने का बड़ा कारण है। उन्हें 'न' सुनने की आदत होनी चाहिए।

शिव आमंत्रण, वड़ोदरा (गुजरात)। नवलखी मैदान में एशिया की सबसे बड़ी इंटरनेशनल वडोदरा मैराथन 2024 मे 1,11,000 दौड़ वीरों ने लाभ लिया। उसमें विशेष वडोदरा-मांजलपुर के निमित टीचर्स धीरज बहन एवं साथी बहनों ओर 50 भाई-बहन विशेष 5 किलोमीटर की दौड़ शिव बाबा का ध्वज लहराते हुए दौड़ को संपन्न किया।

रांची सेवाकेंद्र पर मनाया नव वर्ष

शिव आमंत्रण, रांची (झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ के चौधरी बगान, हरमू रोड रांची में नववर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन करते हुए बीके प्रदीप, कृष्ण कुमार दुबे अभियांत्रिकी शिक्षक, देव शंकर, निदेशक दूरसंचार विभाग, बीके निर्मला, विजय खोवाल, समाजसेवी, जेपी गुप्ता, समाजसेवी एवं मंजू गुप्ता।

स्नेह मिलन समारोह में पहुंचे विधायक

शिव आमंत्रण, रीवा, मप्र। सेवाकेंद्र पर आयोजित नव वर्ष स्नेह मिलन में रीवा रियासत के युवराज सिरमौर विधानसभा क्षेत्र से विधायक दिव्यराज सिंह विधायक विशेष रुप से उपस्थित रहे। इस दौरान बघेली के प्रसिद्ध कवि एवं जनपद उपाध्यक्ष रायपुर कर्चुलियान रामलखन सिंह बघेल महगना, डॉ. प्रदीप कुमार सिंह डायरेक्टर संजीवनी हॉस्पिटल, डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव, राजयोगिनी बीके निर्मला दीदी क्षेत्रीय संचालिका मौजूद रहीं।

विद्यार्थियों को बताए सफलता के मंत्र

शिव आमंत्रण, कोरबा (छत्तीसगढ़)। माउंट आबू राजस्थान से पधारे हुए बी के भगवान भाई ने सेंट जेवियर पब्लिक स्कूल, स्वामी आत्मानंद हायर सेकंडरी स्कुल, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के मंत्र बताए। इस दौरान चाम्पा सेवाकेंद्र की संचालिका बीके रचना बहन ने भी संबोधित किया।

सरगुजा संभाग की संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी और बीके माधुरी दीदी ने बच्चों को किया मोटिवेट

आध्यात्मिकता हमें जीवन में कुछ छोड़ना नहीं बल्कि आपस में जोड़ना सिखाती है

शिव आमंत्रण, अंबिकापुर, छग

सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी प्रशिक्षार्थियों को एकाग्रता का महत्व बताते हुये कहा कि वर्तमान समय जीवन में एकाग्रता की शक्ति की बहुत आवश्यक है, जब हम अपने मन-बुद्धि को स्व पर एकाग्र करते है, तो हमारे अन्दर की शक्तियाँ जागृत होती है, और जब हम अपने अन्दर की शक्तियों को लगाकर कर्म करते है, तो कर्म में कुशलता आती है, जिससे जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है, तत्पश्चात् राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कॉमेन्ट्री के माध्यम से कराया सभी प्राध्यापक और प्रशिक्षार्थियों ने गहन शांति और हल्केपन की अनुभूति किया। बी.के. माधुरी दीदी कहा कि कहा जब हमारे जीवन में वैल्युज होता है, तो लोग दिल से वैल्युज देते है, और वैल्युज आध्यात्मिकता से आता है। कई बार हम लोग भले ही ये सोच लेते है, कि आध्यात्मिकता से जुडने से कुछ न कुछ छोड़ना पडेगा बल्कि आध्यात्मिकता छोड़ना नहीं सिखाता हैं किन्तु जोड़ना सिखाता है।

तनाव मुक्त ड्राइविंग के बताए सीक्रेट

शिव आमंत्रण, बरेली, उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा उत्तर प्रदेश परिवहन निगम बरेली रीजनल वर्कशॉप में बस ड्राइवर, कंडक्टर एवं कर्मचारीयों को विभिन्न एवं विषम परिस्थितियों में तनाव मुक्त ड्राइविंग एवं कार्य कैसे किया जाए इस विषय पर कार्यक्रम किया गया । बीके महेश भाई, बीके अनुराग भाई, धनजीराम सेवा प्रबंधक, उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने विचार व्यक्त किए।

गुलबर्गा में न्यायविदों के लिए सम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण, गुलबर्गा/कर्नाटक

गुलबर्गा सेवाकेंद्र पर न्यायविद प्रभाग की ओर से सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें कर्नाटक हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रसन्ना वरले, गुलबर्गा ब्रांच के मुख्य जस्टिस इंदिरेश ने संबोधित किया। विंग की अध्यक्ष पुष्पा दीदी, उपाध्यक्ष बीडी राठी, जस्टिस पच्चपुरे, जस्टिस ईश्वरैया, राष्ट्रीय संयोजक बीके लता बहन, बीके नथमल भाई, बीके विंध्या बहन, मुख्यालय संयोजक श्रद्धा बहन, कानपुर की सीए निधि बहन, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गुप्तलिंग भाई, सीए ब्रांच के चेयरपर्सन महंतगोल भाई, डिस्ट्रिक्ट सेशंस जज एवं पुलिस कमिश्नर आर चेतन, प्रेम भाई , विजय बहन आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में बीके शिवलीला बहन, बीके दानेश्वरी बहन, बीके महादेवी बहन, बीके सविता बहन, बीके रागिनी बहन, बीके उषा बहन, बीके नंदा बहन, बीके शरण हीरा भाई का विशेष योगदान रहा।

शक्ति सरोवर तपोवन अंजुकुलीपट्टी में आयोजन

डिजिटल युग में कानूनी नैतिकता विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण, डिंडीगुल/तमिलनाडु

ब्रह्माकुमारीज़ के न्यायविद प्रभाग की ओर से उप-क्षेत्रीय रिट्रीट सेंटर, शक्ति सरोवर तपोवन अंजुकुलीपट्टी, डिंडीगुल में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें एक हजार से अधिक न्यायाधीशों, वकीलों, कानूनी विश्लेषकों, कानून के छात्रों ने भाग लिया। इस मौके पर न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन, न्यायाधीश, मद्रास उच्च न्यायालय; न्यायमूर्ति बी. पुगाझेंडी, न्यायाधीश, मद्रास उच्च न्यायालय; न्यायमूर्ति वी. ईश्वरैया, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व कार्यवाहक न्यायाधीश, न्यायमूर्ति डॉ. एस. विमला, सदस्य, मंदिर ट्रस्टी समिति सरकार। टीएन सदस्य, तमिलनाडु विधि आयोग (पूर्व); न्यायमूर्ति शत्रुघ्न पुजाहारी, अध्यक्ष, ओडिशा मानवाधिकार आयोग और सेवानिवृत्त। इस सम्मेलन में मुख्य वक्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। ज्यूरिस्ट विंग की राष्ट्रीय समन्वयक राजयोगिनी बी.के. लता बहन, बीके बीना बहन, जोनल समन्वयक, तमिलनाडु जोन और डॉ. बीके गिरीश पटेल, मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक, मुंबई भी उपस्थित थे।

हरियाणा के राज्यपाल से की मुलाकात

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद (हरियाणा)। महिला आयोग की 25वीं वर्षगांठ सम्मेलन के पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडारु दत्तात्रेय पधारे। महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने आयोजित किया। माउंट आबू से आए बी.के बिन्नी सरीन एवं बी.के प्रीति बहन ने कहा कि हर एक महिला को अपनी शक्तियों को जागृत करने का समय है नारी नरक का द्वार नहीं नारी स्वर्ग का द्वार है इन शब्दों ने देश-विदेश से आए हुए सभी महिलाओं का मन मोह लिया। महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया जी ने बी.के. प्रीती बहन को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। राज्यपाल दत्तात्रेय को ईश्वरीय सौगात देते हुए भी के बीके प्रीती बहन बी.के बिन्नी बहन बी.के मोनिका बहन।

मप्र के राज्यपाल को प्रदान की सौगात

शिव आमंत्रण, इंदौर। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल के आगमन पर ज्ञान शिखर सेवाकेंद्र से ब्र.कु. अनीता बहन एवं ब्र.कु.उषा बहन ने मुलाकात कर सौगात प्रदान की।

मुख्यमंत्री को भेंट किया स्मृति चिंह

शिव आमंत्रण, फतेहपुर/हरियाणा। हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ फतेहपुर से मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने किया। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से संचालिका बीके अंजू दीदी, बीके डॉ. जगदीश प्रसाद ने मुलाकात कर सीएम का सम्मान किया।

मैं संसार में बहुत भाग्यवान हूं इस संकल्प को जीवन में समाहित कर लें

शिव आमंत्रण, भिलाई (छग)।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में चल रहे मौन तपस्या कार्यक्रम 'व्यक्त से अव्यक्त' की ओर के दूसरे दिन संस्था के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से आए पीस ऑफ़ माइंड चैनल के सुप्रसिद्ध शो "समाधान" के ओजस्वी वक्ता तपस्वीमूर्त राजयोगी ब्रह्माकुमार सूरज भाई जी ने कहा कि जो हर बात में बहुत ज्यादा सोचता है (ओवरथिंकिंग) वह सुखी नहीं रह सकता है। बातें बड़ी नहीं होती उन्हें बार बार सोच कर हम बड़ा बना देते हैं । स्वराज्य अधिकारी बन मन, बुद्धि, संस्कार और कर्मेंद्रियों को मलिक बन चलाना है। बिना अर्थों के संकल्पों से भय वा चिंता को पाल लेते हैं जिससे बचने का उपाय आपने बताया कि सुबह उठते साथ संकल्प करे कि मैं संसार में बहुत भाग्यवान हूं इस संकल्प को जीवन में समाहित कर ले। तथा रात को सोते समय मैं बहुत सुखी हूं , इसे हमारा अवचेतन अंतर्मन में स्वीकार कर लेगा तथा जीवन में कार्य करने लगेगा। आपने क्रोध के बारे में बताया की क्रोध के बाद कैसा भी व्यक्ति हो पछताते अवश्य है। हमारे एक सेकंड का क्रोध हमारे उज्जवल भविष्य को नष्ट कर सकता है जिसका उपाय बताते हुए आपने कहा कि नो रिएक्शन, धैर्यवत रहे, धैर्य से क्रोध को जीते।

आत्मिक शक्ति बचाने के लिए परचिंतन से बचें-

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी गीता दीदी ने कहा कि खुश रहने से हमारे ब्रेन में हैप्पी हार्मोन क्रिएट होता है। आत्मिक शक्ति को बचाने के लिए परचिंतन का परहेज करें। हमें दूसरों के जीवन में मुस्कुराहट की वजह बनना है। आपने स्लोगन दिया मुस्कुराना शुकराना जीवन में किसी का दिल ना दुखाना। प्रकृति सहित विश्व में सभी का शुक्रिया करें क्योंकि प्रकृति युगों से हमारी पालना कर रही है। दिल से आभार भगवान का शुक्रिया करें। इस दो दिवसीय मौन तपस्या कार्यक्रम में मनेंद्रगढ़, पाटन, उतई, जामगांव, बेमेतरा, दिल्ली राजहरा, डौंडीलोहारा, नंदिनी अहिवारा सहित भिलाई के सभी सेवा केंद्रों के ब्रह्मा वत्सो ने लाभ लिया।

स्व प्रबंधन किसी कर्म का फल अगले दो-तीन जन्म बाद भी मिलता है

जितना कड़ा कर्म उतना फल भी कड़वा और महीन मिलता है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

एक बार एक सुरेश ने अपनी पत्नी के साथ व्यापार शुरू किया। थोड़े दिनों में उसके घर में एक बेटे का जन्म हुआ और उसके नामाकरण पर बड़ी धूमधाम से कार्यक्रम रखा गया जिसमें शहर के बड़े-बड़े लोगों को आमंत्रित किया गया। उसी समय एक बड़े महात्मा भी आये थे, उन्होंने बच्चे का भविष्य देखा तो आश्चर्यचकित रह गये। सुरेश ने पूछा कि क्या बात है तो वह महात्मा ने कहा कि आप इस बच्चे को गरीबी में पालना, कहने का भाव महात्माजी का यह था कि जो वह कहे तुरंत लाकर नहीं देना परन्तु कम से कम खर्च उस पर करना। सुरेश ने महात्माजी से कुछ नहीं कहा लेकिन उसने महात्माजी की बात नहीं मानी और जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता गया और मात-पिता का लाडला होने के कारण उसने जो भी चाहा उसके सामने हाज़िर हो जाता था। और वह बच्चा बड़ा हो गया और उसकी शादी तय की गयी। परन्तु शादी के एक दिन पहले ही उसकी अकस्मात मृत्यु हो गयी।

राजयोगिनी ऊषा दीदी,
वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका,
माउंट आबू

उसी समय वह महात्माजी पुनः पधारे और उसने याद दिलाया कि उसने उसे कहा था कि बच्चे को गरीबों की तरह पालना क्योंकि उसने उस बच्चे का भविष्य देखा था कि वह उसका कोई हिसाब चुकाने आया है और हिसाब चुक्तू करते ही वह उनके घर से चला जायेगा। सुरेश ने मुनीम जी को बुलाया और उससे पूछा कि इस बच्चे के पीछे जो खर्च किया था उसका खर्च बताओ। मुनीम जी ने सारा हिसाब जोड़कर सुरेश को बताया तो वह हिसाब देखकर सुरेश को बहुत बड़ा धक्का लगा और उसने देखा कि उसने जितनी महेश की कमाई हड़प ली थी वह उतनी ही थी और वहीं उसको हार्टअटैक हुआ और वह मर गया। कर्म की गुह्य गति भी कैसी है। सुरश ने महेश को धक्का देकर मार डाला तो महेश ने भी दूसरे जन्म में उसको धक्का दिया जो उसकी मृत्यु का कारण बना। और जितना धन उसने उसका हड़प लिया था उतना ही महेश ने वापस ले लिया। तभी कहा जाता है कि कर्म किसी को छोड़ते नहीं हैं चाहे अच्छा करो तो भी यहां ही उसकी भोगना है चाहे बुरा करो उसकी सज़ा भी व्यक्ति को यहीं मिलती है, इस जन्म में नहीं तो दूसरे जन्म में। कई बार मनुष्य के मन में यह सवाल ज़रूर आता कि क्या हर कर्म का फल अगले जन्म में ही मिल जाता है या दो तीन जन्म बाद भी मिलता है?

संकल्प के हिसाब से मिलता है फल

जिस तरह एक किसान अगर मिर्ची या टमाटर का बीज बोता है तो तीन मास में ही उसका फल मिलने लगता है लेकिन अनाज का बीज डालता है तो 6 मास में फल मिलता है। वैसे ही अगर वह कोई फल का पेड़ लगता है तो उसे दो तीन साल में फल प्राप्त होता है और अगर नारियल का बीज डालता है तो दस साल के बाद उसे फल प्राप्त होता है। जितनी छमता का बीज होता है उतने समय में फल की प्राप्ती होती है।

संकल्प भी है एक बीज...

वैसे ही कर्म करने के लिए संकल्प भी एक बीज है और जितनी दृढ़ता वाला संकल्प किया होता है और जितनी तीव्रता से कर्म किया गया होता है तो उसका फल भी उतने समय में प्राप्त होता है। कोई कर्म का फल इसी जन्म में प्राप्त होता है और कोई कर्म का फल अगले जन्म में भी प्राप्त होता है और कोई कर्म का फल चार पांच जन्म बाद भी मिलता है और कोई कर्म का फल बीस-पच्चीस जन्म बाद भी मिलता है। तभी तो व्यक्ति जब दुःखी होता है तो यही कहता है पता नहीं कौन से जन्म कर्म का फल भोग रहा हूँ।

अध्यात्म की उड़ान स्वयं को देखें मैं जीवन में किस ओर भागता जा रहा हूं...

कर्म और पुरुषार्थ है अपना भाग्य लिखने की कलम

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

अब हमें अपने जीवन में एक क्षण रुक कर आत्मविश्लेषण करने की जरूरत है, बाहर से डिस्कनेक्ट होकर अंतर मन में देखने की जरूरत है। जीवन के इस अनंत यात्रा में स्वयं को देखें कहीं सो तो नहीं रहा हूं या जाग रहा हूं? किस ओर भाग रहा हूं? बचपन में क्या स्वप्न संजोए थे? कहीं जीवन की यात्रा में भटक तो नहीं गया हूं? चेक करें। सदियों से मनुष्य के मन में एक प्रश्न सदैव रहा है कि भाग्य श्रेष्ठ या पुरुषार्थ श्रेष्ठ। अपनी कमजोरी के लिए मनुष्य ने हमेशा दूसरों को दोषी ठहराया है। ये सोचना की सब कुछ भाग्य से हो रहा है तो वह अपने दायित्व से मुक्त होना चाहता है। यदि वह कार्ल मार्क्स का फॉलोवर है तो कहेगा समाज जिम्मेवार है, यदि वो सिग्मंड फ्रायड का फॉलोवर है तो कहेगा अवचेतन मन रिस्पॉन्सिबल है, यदि वो धार्मिक व्यक्ति है तो कहता है ईश्वर करा रहा है, अपनी रिस्पांसिबिलिटी कहीं शिफ्ट कर देता है, यदि वो कर्म सिद्धान्त को मानने वाला है तो कर्म-सिद्धांत पर छोड़ देता है परंतु यह समझना कि हम सब भाग्य की कठपुतलियां है तो फिर हमारे हाथ में क्या है? हम हैं ही किस लिए फिर? हम कर ही क्या रहे हैं? यदि हमारे हाथ में कुछ नहीं है तो। यदि पहले से ही सब कुछ लिखा हुआ होता तो कर्म पुरूषार्थ की चिंता ही नहीं होती। यदि पहले से कुछ लिखा हुआ नहीं है तब यह निश्चित है कि अपना भाग्य हम हर दिन लिख रहे हैं। क्योंकि कर्म और पुरूषार्थ रूपी कलम हमारे हाथ में है। यदि भाग्य हमारे हाथ में नहीं है तब तो हार निश्चित ही है।

डॉ. बीके सचिन भाई,
राजयोग एक्सपर्ट,
माउंट आबू

इसलिए ना कोई व्यक्ति समाज में हमारे भाग्य के साथ बैठा हुआ है और न ही कोई ईश्वर यह सब कुछ कर रहा है। यदि हम कहें ईश्वर करता कराता है तो दुख मिला तो वो फिर दुःखदायी हुआ। मेरे जीवन में जो कुछ भी हो रहा है उसका जिम्मेदार कौन है? जैसे मेरे सम्बन्ध हैं, जो मेरा अतीत है जो भी वर्तमान स्थिति है दुःख है, दर्द है, पीड़ा है, आवेग है, खुशी है, चेतना की जो स्थिति है वो किसने निर्माण की है किसी और ने या मैंने स्वयं किया है? यदि इतना भी आभास हो जाये तो जीवन की दिशा और दशा बदल जाएगी।

हमें कुछ नहीं मालूम कि हम कहां भाग रहे

स्वयं को देखना है कहां मैं भाग रहा हूं किस ओर और क्यों, किसलिए, क्या जीवन का लक्ष्य है? यह जो भी बातें आपको बताई जा रही है ज़रूरी नहीं कि आप उन्हें मान ही लो। स्वामी विवेकानन्द ने कहा है कि कुछ भी स्वीकार नहीं करो क्योंकि यह ग्रंथों में लिखा गया है, क्योंकि आप ने ये कहीं से सुना है, क्योंकि यह कहीं से लिखा गया है या फिर यह परंपरा से चल रहा है। ऐसा कुछ भी स्वीकार नहीं करना है। जिसको जो बोलना है बोलने दो परन्तु हम गहराई से उस पर सोचेंगे, मनन करेंगे, चिंतन करेंगे, विश्लेषण करेंगे अपने जीवन से तुलना करेंगें। सत्य को खुद खोजेंगें।

आज हम ये देखेंगें की ये जो भाग्य है, ये जो नियति है, ये जो तकदीर है ये हमारे हाथ में हमारी मु_ी में कैसे आ जाए? हम अपने जीवन को क्या करें कि उस दिशा में ले जाये जो सही हो। अब तक तो भाग रहे हैं, भाग रहे ही हैं। कुछ ना मालूम की कहां भाग रहे हैं परंतु भागे जा रहे है। **(क्रमशः)**

समस्या- समाधान

योग की सूक्ष्मता को अपने अनुभव से ही जान सकते हैं

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

> भविष्य में वह सेवा करेंगे जो योगबल से भरपूर होंगे

राजयोग संसार की सबसे गुह्य विद्या है। जिसमें अगर कोई मनुष्य परफेक्ट हो जाए तो उसे संसार की और विद्यायें प्राप्त करने की आवश्यकताएं न रहें। योग की सूक्ष्मता को कोई भी मनुष्य अपने अनुभवों से ही जाना सकता है। अनुभव ही इस सबजेक्ट में सबसे अच्छे गाइड हैं। यूं तो हम जानते हैं कि योग की परिभाषा भगवान ने एक ही लाईन में दे दी कि अपने को आत्मा समझ मुझ परमात्मा बाप को याद करो। परन्तु इसमें अति गुह्यता भी है। क्योंकि जिस चीज का महत्व मालूम होता है उस चीज को हम वैल्यु देते हैं। उसके बारे में हम दृढ़ता पूर्वक पुरूषार्थ करते हैं।

योग का सकास सबसे बड़ा सहयोग

यदि हमारे शरीर में कोई बीमारी लग जाये और हमें महसूस हो जाये कि ये बीमारी हमें बहुत कष्ट देती है तो हम उस बीमारी को ठीक करने में पूरा जोर लगा देते हैं। इसी तरह योग के बारे में भी दो बातें जो कि साकार मुरलीयों के महावाक्य हैं दोनों जो बच्चे मुझे आठ घण्टा रोज याद करते हैं। वो मेरे सबसे अधिक सहयोगी हैं। जब तुम योगयुक्त होते हो तो विश्व में शांति की किरणें फैलती है। तो बहुत बड़ा सहयोग इस संसार को बदलने में हमारी योगबल का है। और हम बाबा के बहुत सहयोगी है। जिन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। जिन्होंने अपना सबकुछ तन-मन-धन परमात्मा कार्यों में लगा दिया। वही सबसे बड़ा सहयोगी होगें। योग का सकास सबसे बड़ा सहयोग है।

- राजयोगी बीके सूरज भाई,
माउंट आबू

योग से प्रकृति पवित्र बन जाती है

योग अङ्गिन से ही बुराई विनाश की अङ्गिन प्रगट होती है। संसार का शुद्धिकरण होता है। प्रकृति पवित्र बनती है। हम दो मोटी चीजों को देखें प्रकृति में, हवा कितनी दूषित है। न जाने हवा के माध्यम से हमारे शरीर में हम सांस लेते हैं। हमारे शरीर में क्या-क्या जा रहा है। बीमारीयां फैल रही है। आकाश का यदि चित्र खींचा जाए किसी सूक्ष्म माइक्रोस्कोप से तो दिखाई देगा आकाश में गंदगी के सिवाय कुछ नहीं है। तीसरी चीज को भी आप जानते हैं पानी। आज अनेक बीमारीयां दूषित पानी के कारण हो रही है। जो बहुतों को पता नहीं होता। इन तीनों चीजों का प्युरिफिकेशन विनाश काल में हो जायेगा। जिसमें बहुत बड़ी भूमिका होगी हमारी योगबल की। तो हमें श्रेष्ठ योगी बनना है।

सभी अपने-अपने घरों को भी निर्विघन बनाएं। बाबा का एक संकल्प है। वहीं संकल्प हम सबका भी हो जाये। विनाशकाल में इस संसार में इतनी दुःख, अशांति होगी कि कोई साधन मनुष्य को शांत नहीं कर पायेगा। दवाईयां, डॉक्टर्स, धन-सम्पत्ति, खान-पीना। मनुष्य के दुःखों को समाप्त नहीं कर पायेगा। ऐसे में हमारे सभी स्थान सभी के घर ऐसे सुन्दर तीर्थ बन जाएं। किसी को अशांति हो उसे पता हो इनके घर में जाकर पन्द्रह मिनट बैठ जाएं चित्त शांत हो जाएगा। हमारे दुःख समाप्त हो जाए। ये होने वाला है। और ये सब काम हमें ही करना है। क्योंकि हमारे वायब्रेशन से स्थान के वायब्रेशन को बदलते हैं। हमें बहुत ज्ञान सुनाने की जरूरत नहीं होगी बल्कि हमारी दृष्टि से अपने स्थानों को ऐसा पावरफुल बनाकर अपने श्रेष्ठ भावनाओं से अपनी संकल्पों से हमें दूसरों को सुख देना होगा।

संसार की स्थिति दिन प्रतिदिन दैनिय होती जा रही है। अब मानसिक रोग बढ़ रहें हैं। डिप्रेशन बड़ रहें हैं। नींद की समस्या बढ़ रही हैं। शारीरिक रोग बढ़ रहें हैं। भयानक स्थिति होती जा रही हैं। और ऐसा प्रतित हो रहा हैं कि और आने वाले पाँच साल में संसार का हाल और बेहाल हो जायेगा। भगवान का महावाक्य है कि जब संसार का हर व्यक्ति पुकार उठेगा कि हे प्रभु! ये संसार रहने लायक नहीं रहा इसे नष्टकर दो। तब फाइनल विनाश होगा नहीं तो लोग कहेंगे कि इतनी अच्छि दुनिया हे भगवान! तूने खत्म कर दी। जब सभी स्वीकार कर लेंगे कि ये दुनिया रहने लायक नहीं बची है। तो कोई किसी पर दोष नहीं दे पायेगा। भगवान को भी नहीं कह पायेगा कि तुमने ये क्या कर दिया। सबके मन से एक ही आवाज निकलेगी। बहुत अच्छा किया तुमने। तो हमें योगबल को बढ़ाना हैं। योगबल संसार का सबसे बड़ा बल। जिसके पास योगबल होगा। आने वाले समय में वहीं विश्व की स्टेज पर होंगे।

आने वाले समय में उन आत्माओं के द्वारा सेवाएं होंगी जो अपने को सर्व खजानों से भरपूर किया होगा। ज्ञान लम्बा-चौड़ा सुनाने का मौका नहीं होगा। लोग सुन नहीं पायेंगे। या घर बैठे टीवी से सुन लिया करेंगे। हम योगबल और सर्व खजानों से सम्पन्न स्थिति के द्वारा आत्माओं की सेवा करेंगे। तो स्वयं का योगबल बढ़ाना है। तो संकल्प करें। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बहुत सारी बातें सुनाकर कहा कि तू योगी बन। योगी ही संसार में सर्वश्रेष्ठ है। योगी तपस्वीयों से भी श्रेष्ठ हैं। तपस्या और योग में क्या अंतर है। तपस्या तो लोग भी बहुत करते हैं। संन्यासी साधक। हमारा योग आर्थात् परमपिता परमात्मा शिव बाबा से कनेक्शन सर्वशक्तिमान से संबंध तो योगी जीवन बनाने के लिए हमें किन-किन चीजों की आवश्यकता है। अगर सवेरे हमारा योग बहुत अच्छा होगा तो सारा दिन हम योगी आत्मा को आकर्षित करेगा।

मेरा भारत, स्वस्थ भारत थीम पर कन्या स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

सकारात्मक शक्तियों का पावर हाऊस है परमात्मा

शिव आमंत्रण, छतरपुर/मप्र

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय किशोर सागर द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज के युवा प्रभाग की इस वर्ष की थीम 'मेरा भारत, स्वस्थ भारत' विषय के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (एमएलबी) छतरपुर में छात्राओं के संस्कार सृजन एवं उनके अंदर परीक्षा के भय और उन्हें सशक्त बनाने के लिए कार्यक्रम किया गया। ब्रह्माकुमारी रीना बहन ने कहा कि चुंबक में कितना बल होता है कि वह लोहे को अपनी तरफ आकर्षित कर लेती है लेकिन यदि चुंबक का चुंबकीय

बल खत्म हो जाए तो वह एक छोटे से टुकड़े को भी आकर्षित नहीं कर सकती ठीक इसी प्रकार हमारे अंदर भी चुंबकीय गुण है और वह चुंबकीय गुण हमारे सकारात्मक संकल्प है, हमारी सोच है, यदि हमारी सोच सकारात्मक है, शुभ है तो हम सफलता को अपनी तरफ आकर्षित कर सकते हैं लेकिन यदि हमारी सोच नकारात्मक है तो हम सफलता को अपने से दूर कर देते हैं। बीके सुमन ने कहा की सकारात्मक शक्तियों का पावर हाउस परमात्मा है जितना हम भगवान का ध्यान करेंगे, मेडिटेशन करेंगे उतनी हमारी बुद्धि एकाग्र,शांत, शुद्ध होती जाएगी और उस शुद्ध, शांत बुद्धि में ही ज्ञान की बातें ठहरेगी और हम सफलता की ऊंचाइयों को पा लेंगे।

कार्यक्रम में एमएलबी प्राचार्य बहन सविता अग्रवाल, सीनियर व्याख्याता ऊषा उपाध्याय, ब्रह्माकुमारी परिवार से शिक्षक पंकज चौबे, दुष्यंत भाई उपस्थित रहे।

पानीपत में मन की बात का 108वां एपिसोड प्रसारित

शिव आमंत्रण, पानीपत

पानीपत ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का 108 एपिसोड हरियाणा का प्रसारण किया गया। इसमें प्रशासन द्वारा आमंत्रित विभिन्न डिपार्टमेंट की ओर से दो हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसके अलावा सभी सरकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

इस दौरान बी.के. पूनम बहन एवं बी.के. दिव्या बहन ने मन की शांति विषय पर विचार प्रकट किये। उसके पश्चात प्रधानमंत्री के द्वारा मन की बात का कार्यक्रम शुरू हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बहुत अच्छा माध्यम है आपसे जुड़ने का। यह मन की बात का 108 वां एपिसोड है ओर 108 का आकड़ा बहुत शुद्ध माना जाता है।

ज्ञान मनसरोवर के निदेशक भारत भूषण ने कहा कि आज मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है पानीपत जिले के सारे अधिकारी आज यहाँ इस कार्यक्रम में पधारे है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की समाज के कल्याण में अहम् भूमिका है। जिला उपायुक्त भ्राता वीरेन्द्र दहिया जी ने अपनी शुभकामनाये देते हुए कहा कि हमें आपस में बड़े ही प्यार से रहना चाहिए एवं एक दूसरे के लिए हमारे मन में शुभकामनाये होनी चाहिए। कार्यक्रम के पश्चात सभी अधिकारियों को ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित भी किया गया एवं कार्यक्रम के पश्चात सभी ने ब्रह्माभोजन भी स्वीकार किया।

भाग्य बनाने के लिए निमित्त और निर्माण भाव जरूरी

शिव आमंत्रण, रायपुर (छग)

शान्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर रायपुर (छत्तीसगढ़) में भाईयों की योगभट्ठी का शुभारम्भ बीके सूरज भाई, ज्ञान सरोवर की बीके गीता दीदी, पुणे के बीके संदीप भाई और रायपुर संचालिका बीके सविता दीदी द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया। ब्रह्माकुमार सूरज भाई ने कहा कि समय, श्वास और संकल्प यह तीन खजाने बाबा ने हमको यज्ञ में सफल करने के लिए दिए हैं। किन्तु अगर हमारे जीवन में निमित्त और निर्माण भाव तथा निर्मल स्वभाव नहीं है तो हमारा भाग्य नहीं बनता है। इन तीनों बातों का अभाव हमें आगे बढने नहीं देते और हमारी अध्यात्म की राह में अवरोध पैदा करते हैं। निमित्त और निर्माण भाव तथा निर्मल स्वभाव अध्यात्म की बुनियाद (नींव) हैं। इन्हें धारण करने से जीवन योगयुक्त बनता है।

यह बाबा के नजदीक पहुंचने में भी मददगार हैं। इसका आधार है स्वमान और स्वमान में स्थिति तब बनती है जब हम स्वमान को मन से स्वीकार करते हैं। सिर्फ उसे रटना नहीं है। बाबा ने हमें अनेक स्वमान दिए हैं। जैसे कि आप सृष्टि की महान आत्मा हो, हीरो एक्टर हो, सृष्टि को बल देने वाली हो, इस जहान् के नूर हो आपके बिना जहान् वीरान हो जाता, आप मास्टर ज्ञानसूर्य हो आपकी किरणों से माया के कीटाणु नष्ट हो रहे हैं, आप इष्ट देव और देवी हो जिनकी मन्दिरों में पूजा हो रही है, आपके जैसा भाग्यवान दुनिया में दूसरा कोई नहीं है, आप मास्टर सर्वशक्तिवान हो, आपने शक्ति के बल पर माया को बारम्बार जीता है, आप कल्प-कल्प के विजयी आत्मा हो, आप पवित्रता के फरिश्ते हो।

अपने मस्तिष्क को रिसेट करें विषय पर सेमीनार

शिव आमंत्रण, ग्वालियर (मप्र) | ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर प्रभु उपहार भवन माधौगंज सेवा केंद्र पर युवाओं के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया | जिसका विषय था "रिसेट योर ब्रेन" (अपने मस्तिष्क को रिसेट करें) कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी, ब्रह्माकुमार डॉ. गुरचरण भाई, ब्रह्माकुमार प्रहलाद भाई उपस्थित थे। शुभारम्भ में सभी ने स्वामी विवेकानंद जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया।

विद्यार्थियों को बताया ध्यान का महत्व

शिव आमंत्रण, रतलाम (मप्र) | राष्ट्रीय युवा दिवस पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय रतलाम में योग दिवस कार्यक्रम के आयोजन में ब्रह्माकुमारीज़ को मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया, जिसमे बी.के. शशि दीदी द्वारा विद्यार्थियों को ध्यान का महत्व बताते हुए राजयोग मेडिटेशन का अनुभव कराया गया।

समाज के प्रति स्नेह भाव हमें सबके नजदीक लाता है

शिव आमंत्रण, छतरपुर (मप्र) | ब्रह्माकुमारीज़ विश्वनाथ कॉलोनी द्वारा निर्माणा फाउंडेशन में ब्रह्माकुमारीज़ बहनों द्वारा विकलांग, असहाय, अनाथ एवं नेत्रहीन बालिकाओं के बीच विभिन्न एक्टिविटी कराकर खुश रहने की कला सिखाई। बीके रमा बहन ने कहा कि वह परमात्मा को कैसे याद करती हैं, और कैसे उनका धन्यवाद करती हैं, एवं अपने साथ हर कार्य में, पढ़ाई में भगवान के साथ का अनुभव करती हैं।

बीके गीता पीस अवॉर्ड से सम्मानित

शिव आमंत्रण, भीनमाल (राज.) | ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र भीनमाल की डॉक्टर बीके गीता बहन को मीरा रोड मुंबई स्थित जीसीसी क्लब के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रीय मानवाधिकार काउंसिल द्वारा डॉक्टर आंबेडकर पीस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मानवाधिकार काउंसिल के 11वीं स्थापना दिवस के उपलक्ष में भी के गीता बहन को विशेष आमंत्रित किया गया था , जिसमें इस अवार्ड से उन्हें नवाजा गया। इस समिट में भारत भर से अनेक सदस्य पहुंचे थे।

गीताजी भगवान की श्रीमत है और सनातन संस्कृति की मूल धरोहर है

शिव आमंत्रण, सिरसा (हरियाणा)

ब्रह्माकुमारीज़ के धार्मिक प्रभाग द्वारा आनन्द सरोवर परिसर में 'सनातन संस्कृति की बुनियाद आध्यात्मिकता' विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा, राजस्थान, पंजाब के विभिन्न सन्तों, कई धार्मिक सम्प्रदायों के प्रमुख, 105 मन्दिरों के पुजारी, 15 गउशालाओं के प्रधान, 35 शास्त्री, 25 ज्योतिषाचार्य, नाथ सम्प्रदाय के अनेकों नाथ, राधा स्वामी सम्प्रदाय, धार्मिक संस्थानों के प्रधान, सचिव सहित बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की।

मुख्य अतिथि महामण्डलेश्वर साध्वी ऋतम्भरा झज्जर ने कहा कि पूरे विश्व में सुख-शांति के लिए प्रार्थना करना और एक ईश्वर की सन्तान के नाते से वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ सबके साथ व्यवहार में आना सनातन संस्कृति का मुख्य सन्देश है जिसका हमें अनुसरण करना चाहिए, उन्होंने सभा को आध्यात्म का सुन्दर संगम बताते हुए कहा कि जब हम जाति पाति, तेरा मेरा के भाव से उपर उठ आपसी एकता, समभाव और समान दृष्टिकोण से विचरण करेंगे तो संसार से हर प्रकार की शारीरिक और मानसिक व्याधियां समाप्त हो जायेंगी और मानव धर्म को बल मिलेगा। ब्रह्माकुमारीज़ में आकर मैंने जो निश्छल प्रेम, पवित्र वाइब्रेशन और अपने अलौकिक स्वरूप का दिव्य अनुभव किया है वो अविस्मरणीय है।

मुख्य वक्ता, माउंट से पधारे संस्था के धार्मिक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक राजयोगी बी. के. रामनाथ जी ने कहा कि सनातन संस्कृति शाश्वत है जो सृष्टि के आदि काल से मनुष्य को जागृत और सशक्त करती आ रही है। उन्होंने रामायण तथा महाभारत में वर्णित दृष्टांतों के सार में कहा कि श्री गीता जी भगवान की श्रीमत है और सनातन संस्कृति की मूल धरोहर है, इसमें वर्णित अर्जुन श्रीकृष्ण सवांद पवित्र गृहस्थ आश्रम एवं सनातनी जीवनशैली का सन्देश है जिसका अनुसरण व्यक्ति को देवत्व की ओर ले जाता है, इसलिए जीवन को दिव्य और पवित्र बनाने के लिए अपने परमपिता परमात्मा शिव से जुड़ कर सर्वशक्तियों को धारण करते हुए अपने संस्कारों को परिवर्तन करें ताकि सनातन धर्म सशक्त हो सके । सभा में उपस्थित मन्दिरों के पुजारियों का सम्मान करते हुए उन्होंने कहा कि पुजारी से ही मन्दिर की शोभा होती है इसलिए पुजारी होना गर्व की बात है। विश्व हिन्दू परिषद, हिसार के विभागाध्यक्ष बृजमोहन शर्मा, राजयोगिनी बिन्दू दीदी, तरावड़ी के सतेन्द्र गिरी महाराज, माखोसरानी के नन्नू नाथ, ब्रह्मानन्द महाराज गोपाल पूरी सन्यास आश्रम, श्रीकृष्णलाल प्रधान राधा स्वामी डेरा रूपावास ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सभी अपना जीवन निर्विघ्न बनाएं

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद। सेक्टर 21 डी की ओर से योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तीन हजार से अधिक बी.के भाई-बहनों ने भाग लिया। बी.के आशा दीदी, ओ.आर. सी की डायरेक्टर ने बताया कि अब हम सभी ब्राह्मणों को निर्विघ्न जीवन बनाना है और अनासक्ति हो त्याग तपस्या व साक्षी दृष्टा उपराम वृत्ति हो अब हमें कर्मातीत बनना है। बी.के शुक्ला दीदी जी , हरी नगर की संचालिका, बी.के उर्मिला दीदी , पालम बिहार सेवाकेंद्र की संचालिका, बीके प्रीति दीदी ने भी विचार व्यक्त किए।

ब्रह्माकुमारी बहनों का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, झोझूकलां(हरियाणा) | नेहरु युवा केंद्र एवं ग्रामीण विकास मंडल तथा ब्रह्माकुमारीज झोझूकलां यह संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह का आयोजन आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल झोझूकलां में हुआ। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि भ्राता आशीष सांगवान नगराधीश चरखी दादरी, विशिष्ट अतिथि भ्राता बख्शी सैनी चेयरमैन नगर परिषद चरखी दादरी, चेयरमैन झोझूकलां खंड समिति नीतू यादव, ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन आदि ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन किया। इस अवसर पर नेहरु युवा केंद्र एवं ग्रामीण विकास मंडल द्वारा ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन व ज्योति बहन को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पुलिस स्थापना दिवस पर सेमीनार आयोजित

पुलिसकर्मियों को बताए तनावमुक्ति के गुर

शिव आमंत्रण, ठाणे/महाराष्ट्र

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में टीएसएसआईए हॉल, वागले इंडस्ट्रियल एस्टेट, ठाणे-पश्चिम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महेश पाटिल। (अपर पुलिस आयुक्त), अमर सिंह जाधव (पुलिस उपायुक्त), गजानन काब्दुले (सहायक पुलिस आयुक्त), किरण कबाड़ी (वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक), मधुकर कद (वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक), मुख्य वक्ता - प्रोफेसर डॉ. ईवी स्वामीनाथन, बीके लाजवंती दीदी (प्रभारी भांडुप केंद्र), बीके सीता दीदी (प्रभारी श्री नगर केंद्र), मंच सचिव- बीके मुकेश जेठवानी (वित्तीय सलाहकार), बीके सीता दीदी (प्रभारी -श्री नगर- मुलुंड सबज़ोन ने अपने विचार व्यक्त किए। बीके लाजवंती दीदी ने ब्रह्मा बाबा द्वारा विश्व शांति के कार्य की नींव रखने की जानकारी दी। ब्रह्मा कुमारियों के विश्वव्यापी कार्यों के बारे में जानकारी दी। बीके सीता दीदी ने सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। अतिरिक्त आयुक्त महेश पाटिल ने मंच पर बीके को पुलिस स्थापना दिवस ट्राफियां देकर सम्मानित किया। आयुक्त महेश पाटिल ने कहा- हम केवल पुलिस स्थापना दिवस समारोह आयोजित करते हैं लेकिन यह बहुत सराहनीय है कि ब्रह्माकुमारीज़ ने हमारे लिए कार्यक्रम आयोजित किए हैं। ऐसा आयोजन पहली बार हुआ है।

अब अशरीरी अवस्था का अभ्यास बढ़ाएं

शिव आमंत्रण, मोतिहारी (बिहार) | समय की समीपता अब स्पष्ट दिख रही है,सतयुगी दुनिया अब सन्निकट है,अब साधारण धीमी गति के पुरुषार्थ का समय नही रहा, डबल लाईट फरिस्ता बनने का पुरुषार्थ करने की जरुरत है। समय का बदलाव ,प्राकृतिक हलचल,विपरित परिस्थिति,अचानक का पार्ट, हाहाकार आदि बढेंगे ,यही समय है अशरीरी के अभ्यास का क्यों कि वही अंत मे काम आयेगा। उक्त बाते ब्रह्माकुमारीज बनियापट्टी सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित नव वर्ष अभिनंदन समारोह के उद्घाटन पर वरिष्ठ राजयोगिनी बीके मीना दीदी ने कही। कार्यक्रम मे काफी संख्या मे अतिथिगण तथा ब्रह्मावत्स शामिल थे।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-

वार्षिक मूल्य 150 रुपए तीन वर्ष 450 रुपए
आजीवन 3500 रुपए
मो 9414172596, 8521095678
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 8538970910, 9179018078
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer

A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 6377090960

Scan To Pay

वर्तमान परिदृश्य में गीता ज्ञान जरूरी

शिव आमंत्रण, जालोर/राजस्थान

मलकेश्वर मठ मैदान, जालोर में चार दिवसीय गीता ज्ञान महोत्सव का उद्घाटन बहन बीके वीणा, सिरसी, कर्नाटक द्वारा बीके मंजू, केंद्र प्रभारी भद्रक, देबंग शास्त्री, जीएम महेंद्र कंपनी, पूर्वी मुंबई, भाई डॉ. के लोगनाथन, प्रोफेसर के साथ किया गया। समेलाराम माली एवं बीके लक्ष्मी नारायण अग्रवाल (उद्योगपति एवं सामाजिक कार्यकर्ता), जालोर, भाई पुरूषोत्तम पोमल, लेखक एवं अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक, जालोर, भाई बीएल सुथार, सेवानिवृत्त अधीक्षक अभियंता, पीएचईडी, जालोर, भाई राजेंद्र भूतड़ा, अध्यक्ष भारत विकास परिषद, भाई बीके अखिल, ज्ञान सरोवर, माउंट आबू, बीके विजय इस अवसर पर लेखिका, गंगानगर, बीके रंजू, प्रभारी, जालोर केंद्र, बीके भावना, प्रभारी तखतगढ़, बीके सोनू, प्रभारी रानी, बीके उमा, प्रभारी, बालोतरा एवं सिस्टर बीके अश्मिता उपस्थित रहीं। इस अवसर पर 120 बीके सदस्यों का दिव्य अलौकिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। माउंट आबू से राजयोगी बीके रामनाथ भाई जी ने भी वर्तमान परिदृश्य के लिए अपने बहुमूल्य गीता ज्ञान से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। बीके वीणा दीदी ने संबोधित किया।

शिक्षा एवं पर्यटन मंत्री ने किया स्टाल का उद्घाटन

शिव आमंत्रण, रायपुर (मप्र) | चार दिवसीय उद्योग एवं व्यापार मेला कास्मो एक्सपो-2024 में ब्रह्माकुमारीज़ के उद्योग एवं व्यापार प्रभाग के स्टॉल का उद्घाटन शिक्षा एवं पर्यटन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े और रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने दीप प्रज्वलित करके किया। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कास्मोपालिटन द्वारा कास्मो एक्सपो- का आयोजन विधानसभा मार्ग पर किया गया।

आलीराजपुर (मप्र)| मप्र के वन पर्यावरण एवं आदिवासी जनजाति कल्याण विभाग कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान के सेवाकेंद्र आगमन पर प्रभारी ब्रह्माकुमारी माधुरी बहन, धार्मिक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्रह्माकुमार नारायण भाई, भाजपा कार्यकर्ता विशाल रावत, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पिंकेश डावर ने स्वागत और सम्मान किया।

आचार्य महाश्रमण महाराज पहुंचे ब्रह्माकुमारीज़ योग भवन

खुशहाल जीवन के लिए अपने दैनिक जीवन और व्यवसाय में ट्रस्टी बनकर आत्मा के प्रति सचेत रहें

शिव आमंत्रण, मुंबई।

आचार्य महाश्रमण जी एक प्रमुख जैन आध्यात्मिक गुरु हैं, जिन्होंने आधुनिक दुनिया में जैन सिद्धांतों और शिक्षाओं को पुनर्जीवित करने और प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अहिंसा, करुणा और नैतिक जीवन का संदेश फैलाने के लिए प्रवचन देने और ध्यान शिविर आयोजित करने के लिए पूरे भारत और अन्य देशों में बड़े पैमाने पर भ्रमण किया है। अपने मुंबई चातुर्मास के बाद, आचार्य महाश्रमण जी ने अपनी अध्यात्मिक यात्रा पुनः शुरू की है और वे मुंबई में तेरापंथी संप्रदाय को आध्यात्मिक प्रेरणाएं देते हुए मुंबई नगरी के भीतर यात्रा कर रहे हैं।

अपने मुंबई घाटकोपर "प्रवास" के दौरान, आचार्य महाश्रमण जी को ब्रह्माकुमारीज योग भवन में आमंत्रित किया गया, और वे सहृदय अपने अनुयायियों के साथ वहां पहुंचे, जहाँ राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी डॉ. नलिनी दीदी - ब्रह्माकुमारीज घाटकोपर सबज़ोन की निर्देशिका एवं राजयोगी ब्रह्माकुमार निकुंज- मीडिया विंग के राष्ट्रीय समन्वयक तथा योग भवन के ब्राह्मण परिवार ने उनका स्वागत किया।

उन्होंने अहिंसा, नशामुक्ति और डिजिटल डीटॉक्सिफिकेशन जैसे आधुनिक समय के विषयों के बारे में गहरी बातचीत की। आचार्य जी ब्रह्मा कुमारिज़ योग भवन की सेवाओं से काफी प्रभावित हुए। ब्रह्माकुमार निकुंज ने कहा कि छोटे – छोटे व्रत अपनाने से ही महाव्रत को प्राप्त किया जा सकता है । उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपने दैनिक जीवन और व्यवसाय में ट्रस्टी बनकर रहें, आत्मा के प्रति सचेत रहें न कि शरीर या कर्तव्य के प्रति और अंत में 'कम बोलो, धीरे बोलो और मीठा बोलो ' का सभी से व्रत कराया |

खजुराहो (मप्र)| खजुराहो में सांसद विष्णु दत्त शर्मा के आह्वान पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा हैं। ब्रह्माकुमारी बहनों ने विधायक के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान को सफल बनाया। इस मौके पर विधायक अरविंद पटेरिया, नगर परिषद अध्यक्ष अरुण अवस्थी, नगर परिषद सीएमओ बसंत लाल चतुर्वेदी, पंडित सुधीर शर्मा, अविनाश तिवारी, देवेंद्र चतुर्वेदी, विक्की बघेल, दुर्गा पटेल एवं शहर के सभी माननीय नागरिक एवं पत्रकार बंधु सम्मिलित रहे। ब्रह्माकुमारी विद्यालय से ब्रह्माकुमारी नीरजा बहन, प्रमोद विश्वकर्मा, द्रोपती विश्वकर्मा, गीता सोनी , सुधा सोनी, राजनगर, पुरुषोत्तम साहू, नितिन साहू , रानी साहू, आसाराम लखेरा, रवि लखेरा , पार्वती लखेरा , लीला अनुरागी , रोशनी साहू, लक्ष्मी नगरिया, हीरा रजक, भगवती रजक आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर परिचर्चा का आयोजन

शिव आमंत्रण, जबलपुर (मप्र)

ब्रह्माकुमारीज संस्थान युवा प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित परिचर्चा सशक्त युवा सशक्त भारत को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी विमला दीदी जी , मंच पर आसीन है सी ए स्टूडेंट एसोसिएशन जबलपुर के नयन जैन , महाकोशल बधिर संघ युवा प्रभाग की गंगा पाठक, सैंट एलायसियस कॉलेज कॉमर्स फोरम की प्रेसिडेंट अदिति सिंह, इंजिनियरिंग छात्रा आरुषी विश्वकर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

चंदला(छतरपुर)| विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री भ्राता दिलीप अहिरवार जी के प्रथम नगर आगमन पर चंदला सेवाकेंद्र प्रभारी बीके भारती बहन ने ईश्वरीय स्लोगन एवं शॉल उड़ाकर सम्मान किया, साथ ही राज्य मंत्री बनने की बधाई दी।आपका पूरा परिवार ब्रह्माकुमारी विद्यालय के संपर्क में है तथा प्रतिदिन ईश्वरीय ज्ञान का लाभ लेते हैं।

बहनों के साथ बधाई देने पहुंचे गुरु कृपा बजाज एजेंसी और एनजीओ के संचालक भ्राता शैलेंद्र निगम जी ,एमपीडब्ल्यू भ्राता भगवत अहिरवार जी , वरिष्ठ व्यापारी शत्रुघ्न गुप्ता जी एवं सियाराम साहू जी

महेसाना में पांच दिवसीय व्याख्यानमाला आयोजित, गीता विशेषज्ञ ऊषा दीदी ने किया संबोधित

मानवता का शास्त्र है श्रीमद् भगवद् गीता

शिव आमंत्रण, महेसाना (गुजरात)

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा श्रीमद् भगवद् गीता का व्यावहारिक स्वरूप पांच दिवसीय व्याखानमाला आयोजित की गई। इसमें माउंट आबू से पधारीं मोटीवेशनल स्पीकर बीके ऊषा दीदी ने कहा कि श्रीमद् भगवद् गीता को मानवता का शास्त्र कहा जाता है। उसमें जीवन जीने की कला है। उसको माता की उपमा भी दी जाती है। वह मां बनकर हमें अमृतपान कराती है। जिससे आज के भटके हुए मनुष्य के अंदर दिव्य संस्कार पनपने लगते हैं। इस मौके पर सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी सरला दीदी, जस्टिस बीएन कारिया, सेवानिवृत्त जज, गुजरात हाई कोर्ट, विधायक मुकेश भाई पटेल, संत दास बापू, संत सदाराम बापू आश्रम, टोटाणा ने भी अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

मोकामा, बिहार | नववर्ष के मौके पर पधारे सीआरपीएफ कैन्ट के उपकमाण्डेन्ट पी. कुरुप्पुस्वामी, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र कुमार को ईश्वरीय सौगात देते बीके निशा बहन साथ में बीके नमन भाई ।

राजगढ़, मप्र। राष्ट्रीय पेंशनर्स दिवस पर प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में अतिथि के रुप में बीके मधु दीदी, बीके सुरेखा दीदी, पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा ने भाग लिया।

तोशाम, हरियाणा | लघु सचिवालय में नशा मुक्त भारत अभियान को हरी झंडी दिखाकर गांवों के लिए रवाना करते हुए उप-जिला अधिकारी तोशाम मनोज दलाल, सेवाकेंद्र प्रभारी बी के मंजू बहन तथा अन्य।

अंबिकापुर, छग। श्रीमद् भागवत गीता कथा में विशेष आमंत्रण पर पहुंचीं सेवाकेंद्र संचालिका बीके विद्या दीदी एवं सुमन दीदी ने कथावाचक किशोरी नेहा तिवारी का सम्मान किया।

राजयोग से आत्मा के गुणों का होता है विकास

राजनांदगांव, छग। ब्रह्माकुमारीज़ के वरदान भवन सेवाकेंद्र और आईटीबीपी के सहयोग से इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस के जवानों के लिए तनाव प्रबंधन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें बीके प्रभा ने कहा कि तनावमुक्त जीवन जीने के लिए हमें अपने मन की शक्ति बढ़ाने की जरुरत है । मन की शक्ति बढ़ाने के लिए राजयोग मेडिटेशन का निरंतर अभ्यास करना होगा। जिससे हमारी आत्मा में सातों गुण ज्ञान, पवित्रता, शांति, प्रेम, सुख, आनंद और शक्ति की वृद्धि होगी और हम शक्तिशाली बन जाएंगे। जवानों को राजयोग के अभ्यास द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई। प्रेरक वक्ता बीके झालम भाई ने कहा कि हमें सदा सकारात्मक ही सोचना चाहिए । आशावादी दृष्टिकोण रखने से हमारी मन की शक्ति नष्ट होने से बचती है, जिससे हम हर परिस्थिति में तनावमुक्त रह सकते हैं। हमें अपनी तुलना कभी किसी से नहीं करनी चाहिए ।

खुशनुमा जीवन के बताए सूत्र

कालानी नगर, इंदौर। बीएसएफ एसटीसी कैंपस में 750 रिक्रूट कांस्टेबल को तनाव मुक्त जीवन के सूत्र विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मोटिवेशनल स्पीकर बीके प्रो. गिरीश भाई ने खुशनुमा जीवन के सूत्र बताए। कमांडेंट ललित हुरमाडे, बीके सुजाता दीदी ने भी विचार रखे।

विद्यार्थियों को बताए सफलता के मंत्र

येवला, महाराष्ट्र। श्री सांईनाथ इंग्लिश मीडियम स्कूल येवला में बालिका दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नीता दीदी ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने, लक्ष्य को साधने, याददाश्त बढ़ाने और परीक्षा में अच्छे नंबर प्राप्त करने के टिप्स बताए। बीके दामिनी बहन ने भी संबोधित किया। संस्था चालक और प्राचार्य भी मौजूद रहे।

बार्शी सेवाकेंद्र पर महिला स्नेह मिलन आयोजित

स्वभाव में सकारात्मक बदलाव से आएगी खुशी

शिव आमंत्रण, बार्शी, महाराष्ट्र

हर कोई चाहता है कि उसके परिवार में सुख-शांति बनी रहे। परिवार में क्षणिक खुशी तो रहती है लेकिन शाश्वत खुशी लाने के लिए स्वभाव में सकारात्मक बदलाव लाना जरूरी है क्योंकि हमारे रिश्ते में खुशी खत्म होने का कारण हमारे स्वभाव में नकारात्मकता है। यह कोई नहीं है जो आपको दुखी करता है, यह आपका स्वभाव है जो आपको दुखी करता है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग की राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. राजयोगिनी सविता बहन ने व्यक्त किए। वह ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर महिला स्नेह मिलन के दौरान उपस्थित महिलाओं को मार्गदर्शन कर रही थीं। उनके मार्गदर्शन का विषय सुखी और स्वस्थ परिवार के लिए सकारात्मकता था। इस दौरान सोलापुर उप-क्षेत्र निदेशक सोमप्रभा, सामाजिक कार्यकर्ता उज्वलताई सोपाल, लातूर सेवाकेंद्र की निदेशिका नंदा दीदी, अंबेजोगई सेवाकेंद्र की सुनीता दीदी ने भी विचार व्यक्त किए।

लगन, मेहनत और त्याग से मिलेगा लक्ष्य

बैकुंठपुर, छग। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर नव वर्ष के उपलक्ष्य में 18 दिवसीय योग तपस्या भट्टी की शुरुआत की गई। इस दौरान बीके रेखा बहन ने कहा कि इस नये वर्ष में उमंग-उत्साह में रहकर तीव्र पुरुषार्थ कर, व्यर्थ कर्म, व्यर्थ संकल्पों से मुक्त बनें। साथ ही सभी के प्रति शुभ भावना, शुभ कामना रखें, ताकि सभी सुखी जीवनयापन करें। नव वर्ष में अपने जीवन का कुछ लक्ष्य बनाएं और उस लक्ष्य को लगन, अथक परिश्रम से प्राप्त करें। कोई न कोई पुण्य कर्म कम करके सभी से दुआएं प्राप्त करें।

स्वयं के परिवर्तन से बनेगा श्रेष्ठ संसार

शिव आमंत्रण, वड़ोदरा (गुजरात)

ब्रह्माकुमारीज़ अटलादरा सेवाकेंद्र समारोह आयोजित किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने 'उलझन से उत्साह की ओर' विषय पर कहा कि कोविड-19 के बाद बीमारियां, विनाशक युद्ध आदि का सिलसिला चल रहा है जो रुकने का नाम नहीं ले रहा हैं एवं संपूर्ण विश्व प्रदूषित हो गया है। इस समय वायुमंडल में दुख, अशांति, निंदा, क्रोध के वाइब्रेशन फेल चुके हैं जिसकी नकारात्मक असर मानव जीवन में देखने को मिल रही हैं। हमारे संकल्प हमारे दुखमय संसार का कारण हैं। हम संकल्पों के परिवर्तन द्वारा उत्साह एवं उमंग से भरा विश्व निर्माण कर सकते हैं। श्रेष्ठ संकल्प, श्रेष्ठ संस्कार के

द्वारा सुखमय संसार की स्थापना कर सकते हैं। सिर्फ साधनों और परिस्थितियों पर निर्भर रहने के बजाय हम आत्मनिर्भर बनें, दूसरों को देखने के बजाए स्वयं को देख, पहले स्वयं को परिवर्तित करें। जब तक स्वयं में परिवर्तन नहीं करेंगे तो संसार में परिवर्तन नहीं आएगा। एक-एक व्यक्ति खुद को बदलने का संकल्प करेगा तो एक दिन यह संसार स्वर्णिम संसार बन जाएगा। बदलाव की शुरुआत खुद से करना होगी। हम अब तक दूसरों को देखते आए हैं लेकिन खुद के अंदर उतरकर कभी देखा ही नहीं है। इससे ही दुनिया में बदलाव आएगा।

अंत में बीके शिवानी दीदी ने लोगों को 10 शक्तिशाली संकल्पों की सौगात के साथ नए साल की शुभकामनाएं दी। प्रोग्राम में वडोदरा शहर के नामांकित एवं विविध क्षेत्र से आए हुए महानुभावों एवं उपस्थित ब्रह्माकुमारी बड़ी बहनों ने दीप प्रज्वलित करके उद्घाटन किया।

ब्रह्माकुमारीज़ के देश-विदेश के सेवाकेंद्रों पर चले योग शिविर

जनवरी को योग-साधना माह के रूप में मनाया

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज़ के 140 से अधिक देशों में स्थित सेवाकेंद्रों पर नव वर्ष के साथ ही योग-साधना का दौर शुरू हो गया। सेवाकेंद्रों पर 20 लाख से ज्यादा साधकों ने पूरे जनवरी माह अपनी आध्यात्मिक उन्नति के लिए अलसुबह 3 बजे से ध्यान- साधना की। मुख्यालय शांतिवन में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर डायमंड हॉल के विशाल सभागार में केक काट कर सेलिब्रेट किया गया। परमात्म मिलन समारोह में दिल्ली और आगरा से 20 हजार से अधिक लोग पहुंचे, जिन्होंने राजयोग मेडिटेशन के साथ पहले दिन की शुरुआत की और अपनी योग-तपस्या को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प किया। मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

संकल्प से बनती है सृष्टि, खुशी सोच पर निर्भर

शिव आमंत्रण, रतलाम (मप्र)

खुशी सिर्फ हमारी सोच पर निर्भर है, उसे हम खरीद नहीं सकते, चीजों से केवल आराम आता है ख़ुशी नहीं। अच्छी सोच, अच्छे संस्कार, अच्छे कर्म से ही खुशी आती है। संकल्प के शब्दों की भाषा से हम अपने आसपास की दुनिया बदल सकते हैं। संकल्प से सृष्टि बनती है यदि इसे बदलना शुरू कर दें तो हम आत्मनिर्भर बन जाएंगे।

यह बात हैप्पीनेस अनलिमिटेड, असीम आनंद की ओर विषय पर अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी ने अंबेडकर ग्राउंड में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित विशाल आध्यात्मिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। दीदी ने कहा कि हम ऐसे समय में चल रहे हैं जहां कब क्या होना है कुछ पता नहीं है, जो पता है उसकी तैयारी

होना चाहिए। हम अपने साथ सही कर रहे हैं या गलत यह हमारे कंट्रोल में है। संस्कार और कर्म हमारे साथ चल रहे हैं। हर घर की ऊर्जा अलग होती है। घर की ऊर्जा हमारे मन की स्थिति बनाती है। घर मैला हो सकता है लेकिन वातावरण में सुकून होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमें अपने घर की ऊर्जा को ऐसे बनाना है कि कोई भी आए तो उसे सुकून मिले, जैसे मंदिर जाने वाले के मन में भावना, विचार अच्छे होते हैं तो सभी बातें अच्छी होती हैं। आज हमें अपने संस्कारों को वापस लाना है। घर का वातावरण घर में रहने वालों के संस्कार पर निर्भर है। परिस्थितियां अलग-अलग हो सकती हैं बस हमें अच्छा सोचना है। हमारे संस्कारों को हमें वापस लाना है उनके आते ही भारत विश्व गुरु बन जाएगा। कोई कैसा भी करें हमें बस सही सोचना है सही बोलना है और सही करना है।

नई राहें

बीके पुष्पेंद्र, संयुक्त संपादक
शिव आमंत्रण, शांतिवन

एक संकल्प श्रीराम सा बनने का...

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। आज हर मन, हर घर राममय हो गया है। चारों दिशाएं और प्रकृति भी प्रफुल्लित और आल्हादित है। हम सबके आराध्य देव श्रीराम जो पूरे 500 वर्ष के इंतजार और प्रतीक्षा के बाद अपने घर में (मंदिर) जो पधारे हैं। यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए उत्सव, उल्लास और आनंद का पर्व है और होना भी चाहिए। इस मंगल वेला के इंतजार में सदियां बीत गईं। भव्य राम मंदिर में आराध्य देव श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा से एक नए अध्याय का आगाज हो गया है।

इस सबके बीच हमें यह जानना बेहद जरूरी है कि आखिर पूरी सृष्टि चक्र में श्रीराम ही क्यों मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए? क्यों उनके जीवन के प्रत्येक कर्म में आदर्श और धर्म परायणता की छवि दिखती है? उन्होंने कैसे अपने दिव्य गुणों, विशेषता और कर्म से त्रेतायुग से लेकर जन-जन में अपनी अलौकिक, दिव्य और आदर्श छवि से सदा सम्मोहित और प्रेरित किया है? हमारी सोच और कर्म हमारे व्यक्तित्व का वह आइना होते हैं जो किसी देवपुरुष, महापुरुष, महात्मा के दैहिक त्याग के बाद भी अपने आदर्श कर्मों से सृष्टि में याद किए जाते हैं। वह अपने पीछे ऐसी अमिट छाप छोड़ जाते हैं जिनका अनुसरण व्यक्ति के जीवन को धन्य कर देता है और महानता की ओर ले जाता है। श्रीराम के जीवन से भी यदि हम चंद गुणों को शिरोधार्य और आत्मसात करते हैं तो हमारा जीवन भी महान बन जाएगा, हम देवत्व की ओर बढ़ जाएंगे।

इन दिव्य गुणों ने श्रीराम को बनाया मर्यादा पुरुषोत्तम

धैर्यता : जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए धैर्यता पहली अनिवार्य शर्त और सीढ़ी है। धैर्यवान व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता, यश, कीर्ति और सम्मान पाता है। धैर्यता हमें समस्याओं का सामना करनी की शक्ति प्रदान करती है। श्रीराम तो जानी-जाननहार थे फिर भी उन्होंने माता कैकयी की आज्ञा पाकर पूरे 14 वर्ष वनवास में बिताए। इन वर्षों में जीवन में कितने मोड़ आए लेकिन कभी घबराए नहीं और हर मुश्किल घड़ी में उसे धैर्यता से सामना करते हुए विजयी बने। धैर्यता के साथ अपने कर्मों से आदर्श स्थापित किए।

दयालुता : दया धर्म का मूल है। दयालु व्यक्ति ईश्वर के सबसे नजदीक और पास होता है। जिसमें दयालुता नहीं उसे इंसान होने का हक नहीं है। दयालुता का गुण हमें महान बनाता है। दयालु व्यक्ति सभी के मन को मोह लेता है, वह लोकप्रिय बन जाता है। श्रीराम के मन में भी सदा सभी के प्रति दयालुता का भाव रहा। जो उनकी शरण में आया तो उसे माफ करके गले से लगाया और सदा आगे ही बढ़ाया।

नेतृत्व कला : दिलों पर वही राज कर सकता है जिसमें नेतृत्व करने की कला हो। एक अच्छा लीडर वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। सभी के सुख-दुख में सहभागी हो। आज भी हम देखते हैं कि दुनिया में चंद नेता और लोग ऐसे हुए हैं जिन्होंने जनता के दिलों पर राज किया है। इसी तरह आराध्य देव श्रीराम का पूरा जीवन ही नेतृत्व कला की सीख देता है। उन्होंने जीवन के पग-पग पर नेतृत्व कला के आदर्श कीर्तिमान स्थापित किए। श्रीराम स्वयं राजा होते हुए भी सुग्रीव, हनुमानजी, केवट, निषादराज, जाबवंत और विभीषण को समय-समय पर नेतृत्व करने के लिए अधिकार दिए और आगे बढ़ाया।

आदर्श भाई : जिस घर में भाइयों में एकता, आपसी विश्वास, प्रेम, सम्मान का भाव होता है वह परिवार दुनिया की हर समस्या का सामना कर सकता है। एकता में ही विजय है। एकता आपस में जोड़ती है। संगठित करती है। श्रीराम का अपने भाइयों से अपार स्नेह और प्रेम ही था जो उन्हें आपस में जोड़े रखा। उन्होंने सदा अपने भाइयों को आगे बढ़ाया, भाईचारे और भ्रातृत्व प्रेम की उन्होंने नई लकीर खींच दी। भाइयों में ऐसा अगाध स्नेह, प्रेम यदि आज हो तो अखबार की सुर्खियां बन जाता है। एक आदर्श भाई बनकर उन्होंने समाज को संदेश दिया कि भाई यदि साथ हों तो दुनिया की हर मुश्किल का हल संभव है।

मित्र भाव : जीवन में अच्छा और सच्चा मित्र होना बेहद जरूरी है, जो संकट और परिस्थिति में अंगद की तरह हर पल साथ खड़ा रहे। जिनके ऐसे मित्र होते हैं वह जीवन की हर जंग को जीत लेते हैं। इसकी शुरुआत खुद से करना होगी। हमें खुद ऐसे मित्र बनने की ओर पहला कदम बढ़ाना होगा। आज हर कोई अच्छा मित्र चाहता है लेकिन खुद किसी का अच्छा, हितैषी और विश्वासपात्र मित्र नहीं बनता है। श्रीराम ने केवट, सुग्रीव, निषादराज और विभीषण से अपनी मित्रता निभाई और सदा उन्हें संकटों से उबारा, आगे बढ़ाया और साथ दिया। उनमें मित्रभाव अंतर्मन तक समाया हुआ था।

आज्ञाकारी पुत्र : श्रीराम ने अपने जीवन में एक आज्ञाकारी बेटे के आदर्श स्थापित किए। माता-पिता की सेवा हो या पिता की आज्ञा उन्होंने बिना एक पल गंवाए उसे शिरोधार्य किया। पिता के वचन की लाज रखने के लिए राजाई छोड़कर पूरे 14 वर्ष वनवास का कठिन और दुर्गम रास्ता खुशी-खुशी चुना। माता-पिता सदा अपनी संतान की हित और भलाई के लिए ही सोचते हैं। ऐसे में एक बेटे का भी फर्ज है कि उनकी सेवा और अपने कर्तव्य का निर्वहन करे।

दातापन : श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाने में सबसे महान और दिव्य गुण है तो वह है दाता का भाव। उन्होंने पूरे जीवन सदा दिया है। बदले में कुछ आस या उम्मीद नहीं रखी। जिसमें देने का भाव होता है वही देवता कहलाने के योग्य है। क्योंकि देवता अर्थात् देने वाला। लेकिन आज अधिकांश लोग लेवता बने हुए हैं। हर कोई किसी न किसी वस्तु या चाहना में अनमोल जीवन को गंवा रहा है। दातापन के संस्कार इंसान को देवत्व की ओर ले जाते हैं। आपको पास जो है धन, विद्या उसे समाज के साथ बांटिए फिर देखिए जीवन कितना आनंदमय और स्वर्ग समान बन जाएगा। जब एक-एक व्यक्ति में दातापन के संस्कार इमर्ज हो जाएंगे तो इसी धरा पर रामराज्य आ जाएगा जो हम सभी का दिवा स्वप्न है।

जीवन प्रबंधनः बीके शिवानी दीदी

यदि हम सदा दूसरों को दुआएं देंगे तो वही वापिस हमारे पास लौटकर आएंगी

शिव आमंत्रण आबू रोड।

कोई हमारे साथ बहुत ज्यादा गलत करे तो क्या हम उसको दुआएं दे सकते हैं? फूल भेजेंगे, बुके भेजेंगे, लेकिन ब्लेसिंग नहीं भेजेंगे। ब्लेसिंग मतलब क्या कोई मेरे लिए गलत कर रहा है मैं अंदर से उसके लिए नफरत नहीं करूंगी, मैं अंदर उसके लिए बुरा नहीं सोचूंगा। अब हमें कार्मिक अकांउट को बंद नहीं करना है ठीक करना है। बंद नहीं होता, चैंज हो सकता है कि आज से हम जो आपके लिए सोचेंगे वो सिर्फ ब्लेसिंग्स और गुड विशेज है और वो करते ही हम अपने कार्मिक एकाउंट की क्वालिटी को चैंज कर देंगे। दोनों में से किसी एक को करना है।

बचपन से सुना है कि जो करेगा वो पाएगा। तो किसी एक को चेंज करना है क्योंकि अगर मैंने नेगेटिव भेजा और फिर आपने भी नेगेटिव भेजा तो इट्स गेटिंग मोर एंड मोर मोर मोर कंपलेक्स। भेजते-भेजते अगर दोनों में से किसी एक ने कॉस्टयूम चेंज कर लिया और फिर मिलेंगे तो ज्यादा कॉप्लिकेटेड हो जाता है क्योंकि अब तो हमें याद ही नहीं है कि आप कौन हो, मैं कौन हूं?

कुछ लोगों से मिलकर अच्छा क्यों लगता हैः कुछ लोगों से मिलकर हमें अच्छा क्यों नहीं लगता? और कुछ लोगों से पता नहीं चलता कि अच्छा क्यों लग रहा है इतना? कुछ लोग हमारी फैमिली से भाई-बहन हैं लेकिन उनसे लगाव नहीं है और कुछ लोग जिनसे कोई रिश्ता नहीं है लेकिन उनके लिए कहेंगे कि वो हमारे लिए परिवार से बढ़कर हैं क्यों? क्योंकि कभी न कभी हम दोनों बहुत अच्छी एनर्जी एक्सचेंज करके आए हैं। जब दिवाली आती है तो हम बैठकर लिस्ट बनाते हैं कि किसको क्या देना है?

जमा करने के साथ अपने मन के विचारों को भी पवित्र करके अपना भाग्य सिक्योर करें

जो एनर्जी किसी को देंगे वही मेरे पास वापस आती है

अगर हमें यह पता चले कि आज जो हम उनको गिफ्ट देंगे दिवाली के चौथे दिन तक वही गिट हमारे पास आने वाला है तो मैं कौन सा गिट खरीदूंगी? मैं वही खरीदूंगी जो मैं चाहती हूं, क्योंकि मुझे 100 प्रतिशत विश्वास है कि चौथे दिन वो मेरे पास आने वाला है। मैं ये नहीं कहूंगी कि उन्होंने हजार रुपए का भेजा मेरे को क्या फर्क पड़ता है। उन्होंने कितने का भेजा मुझे अगर 50 हजार रुपए की भी चीज पसन्द आएगी तो मैं ले लूंगी। क्योंकि वापस तो मेरे घर आने वाली है। ये लॉ ऑफ कर्म है। जो एनर्जी हम किसी को देंगे वो वापस हमारे पास ही आने वाला है इसलिए जो चाहिए उसे देते जाएं। खुशी चाहिए, रेस्पेक्ट चाहिए, ट्रस्ट चाहिए, प्यार चाहिए वही देते जाओ। देते समय भी मिल रहा है, वापिस आते समय भी मिल रहा है। लेकिन अगर हम कहेंगे उन्होंने तो 500 रुपए की दी थी मुझे भी 500 की ही देनी है फिर उन्होंने और कम करनी है।

ब्लेसिंग एक पावरफुल संकल्प है जो देने से खुद को ही मिलता

डेस्टिनी हमारी चॉइस है। ब्लेसिंग्स दें उनको जो हमारे साथ गलत कर रहे हैं। ब्लेसिंग क्या है ये केवल एक संकल्प है। किसी ने प्रश्न लिख कर भेजा कि किसी ने हमारे साथ गलत किया है तो हमें लीगल केस करना चाहिए या उसे ऐसे ही छोड़ दें। क्या उत्तर होगा? जो सही है बिल्कुल करना चाहिए लेकिन लीगल केस करना और एक है अंदर से नफरत करना। दोनों चीजों में बहुत अंतर है। कइयों के साथ हम कोई एक्शन नहीं लेते लेकिन अंदर ही अंदर नफरत करते रहते हैं। कार्मिक एकाउंट बहुत स्ट्रांग है। जो लीगली राइट है वह करेंगे लेकिन अंदर से दुआएं देंगे कि अब इस आत्मा के साथ मुझे कुछ भी गड़बड़ नहीं करनी है। पहले ही बहुत गड़बड़ हो गई। इसके बाद कोई गड़बड़ नहीं चाहिए। जिनके साथ उलझन है उनके साथ जल्दी जल्दी सब कुछ ठीक करना चाहिए, ताकि उनके साथ फिर कोई ऐसी भारी एनर्जी एक्सचेंज हमारे कार्मिक पैटर्न में नहीं आए।

अपने बारे में गलत सोचने से होगा नुकसान

रोज मेडिटेशन में दुआएं भेजें। उनको सामने लेकर आएं और उसे एक मैसेज दें कि वह हमारा पास्ट था जो खत्म हो गया है। आज से आपके और मेरे बीच सिर्फ प्यार और समान और दुआएं हैं। ये रोज सिर्फ उनको मन से मैसेज भेंजे। ये मैसेज भेजते ही पहले तो हमारी तरफ से थोड़ी-थोड़ी गड़बड़ी थी वह ठीक हो जाएगी और वहां पर मैसेज जाएगा तो उसका असर होने वाला है। वहां से भी एनर्जी वापस आएगी। वापस न भी आए वहां से तो हमें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि हमारा कर्म हमारा भाग्य लिखता है। उनका कर्म उनका भाग्य लिखता है। हमें लगता है हम किसी के लिए गलत सोचेंगे और उनका गलत हो जाएगा या दूसरा डर आजकल कोई मेरे लिए गलत सोच रहा है इसलिए मेरे साथ गलत होता है, नजर लग गई किसी की, नजर लगना मतलब क्या? मतलब किसी ने सोचा कि मेरा हॉस्पिटल बंद हो जाए इसलिए मेरा गड़बड़ होने लग गया, ऐसा हो सकता है क्या? मैं यहां से बैठकर अभी एक सोच क्रियेट करती हूं कि मेरे सामने जो व्यक्ति सोफे पर बैठे हैं वो गिर जाएं तो क्या वो सोफे से गिरेगा नहीं। चाहे मैं 24 घंटे ये सोचू तो भी नहीं गिरेगा लेकिन जिस दिन उसने ऐसा सोच लिया कि मैं उसके बारे ये सोच रखती हूं और कहीं मैं सचमुच न गिर जाऊं तो? तो उस दिन जरूर गिर जाएगा।

हमारे विचार प्योर होंगे तो भाग्य भी सिक्योर होगा...

अगर हमारी सोच नेगेटिव हो गई डर से इनसिक्योरिटी से फिर हमारी सोच हमारा भाग्य लिखती है। अगर हम रोज चार्ज करते हैं अपनी बैटरी को, हम रोज परमात्मा से कनेक्शन रखते हैं तो कोई हमारे लिए कितना भी नेगेटिव सोचे हमारी सोच कैसी होगी? प्योर तो हमारे भाग्य सिक्योर। आज कल हमारे अंदर इतना डर हो गया है कि हम अपने जीवन में होने वाली अच्छी बातें भी किसी को नहीं बताते हैं। अभी पिछले सप्ताह मैं एक हॉस्पिटल में गई वहां मुझे दो डॉक्टर मिले। उनमें से एक ने बड़ी मिठास से कहा सिस्टर क्या आप जानती हैं इन्होंने पिछले महीने 102 सर्जरी की हैं। मैंने कहा डॉक्टर साहब मुबारक! कहते हैं क्या मुबारक इसने व्हाट्सएप ग्रुप पर डाल दिया। 4 दिन मेरे पास एक भी सर्जरी नहीं आई। अब देखिए इतने डर में और इतने वहम में हम रहते हैं। इतने डर में अगर हम रहेंगे तो औरों के प्रति हम कैसा सोच रहे हैं कि किसी ने मुबारक भी दी तो अंदर से लगता है कि इसको जरूर मेरे से कोई प्रॉब्लम है। जो अपने जीवन से ईर्ष्या करता है वो हर समय दर्द में रहता है। हमारा कर्म, हमारा भाग्य लिखता है। हमारी एक-एक सोच की चेकिंग है कि मेरी सोच की क्वालिटी कितनी नीचे होते। अगर हम अच्छा कर रहे हैं फिर चाहे किसी को कोई प्रॉब्लम ही क्यों न हो, कोई भी आपका नुकसान नहीं कर सकता। अपनी सोच की सूक्ष्म चेकिंग करके दूसरों को हमेशा आगे बढ़ाओ।

ब्रह्मा बाबा को फॉलो करेंगे तो आगे बढ़ेंगे

शिव आमंत्रण, मास्को/ रूस।

ब्रह्माकुमारीज़ के मॉस्को स्थित रिट्रीट सेंटर पर संगम युग में जीवनमुक्ति विषय पर योग शिविर आयोजित किया गया। इसमें संचालिका बीके सुधा दीदी ने बताया कि संगम युग में जीवनमुक्ति का क्या अर्थ है। साथ ही सभी को बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ में जनवरी माह को अव्यक्त मास के रुप में क्यों मनाया जाता है। इस माह में योग-साधना से क्या विशेष लाभ होता है। सभी बीके सदस्यों को ब्रह्मा बाबा के जीवन की शिक्षाओं को बताया कि कैस बाबा ने अपने एक-एक कर्म पर अटेंशन देकर संपूर्णता की स्थिति प्राप्त की। बाबा का जीवन हम बीके सदस्यों के लिए एक आदर्श जीवन है। उनको फालों करेंगे तो हम भी संपूर्णता की ओर बढ़ेंगे। बीके विजय भाई ने इस चरण की गहराई और विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद की। प्रत्येक प्रतिभागी को अद्भुत अनुभव प्राप्त हुआ। नए साल और क्रिसमस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मॉस्को के आसपास कई भ्रमणों ने रिट्रीट में खुशी बढ़ा दी।

लंदन में बीके गीता सम्मानित

शिव आमंत्रण, लंदन

लंदन ऑर्गनाइजेशन ऑफ स्किल्स डेवलपमेंट (एलओएसडी) ने की ओर से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड-ब्रेकिंग 'द थिकेस्ट बुक इन द वर्ल्ड' के अंतर्गत '23 पॉजिटिव चेंज मेकर्स इन द वर्ल्ड 2023' पुस्तक का उद्घाटन किया गया। यह पुस्तक 100,100 पृष्ठों की है जो 5.80 मीटर 19 फीट 0.34 इंच की है। इसमें ज्ञानवर्धक कहानियों और अग्रणी कार्यों और एलओएसडी उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 आदि उपलब्धियों को समाहित किया गया है। इस मौके पर एलओएसडी उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 से अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 66 विभूतियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में माउंट आबू से आईं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके गीता बहन को भी एलओएसडी उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया।

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली।

ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारका सेक्टर- 11 नई दिल्ली सेवाकेंद्र की बीके सरोज दीदी ने सुप्रसिद्ध अभिनेत्री जयाप्रदा से मुलाकात कर संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया। साथ ही उन्हें राजयोग से होने वाले फायदों के बारे में रुबरु कराया। इस दौरान अभिनेत्री जयाप्रदा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ बहनें समाज कल्याण में अच्छा कार्य कर रही हैं। आज वर्तमान में सभी के लिए अध्यात्म की जरुरत है। अध्यात्म बहुत जरुरी है। इस दौरान अभिनेत्री ने संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना की। इस दौरान उन्हें संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू आने का भी निमंत्रण दिया। इस मौके पर वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर बीके डॉ. दीपक हरके भी विशेष रुप से मौजूद रहे।

RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2024-26, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 Jan. 2024
» प्रकाशक व मुद्रकः करुणाकर शेट्टी द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कार प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित » संपादकः ब्र.कु. कोमल » संयुक्त संपादकः ब्र.कु. पुष्पेन्द्र